Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

कैरियर गाइडेंस श्रृंखला:(01-51)

Thank You..

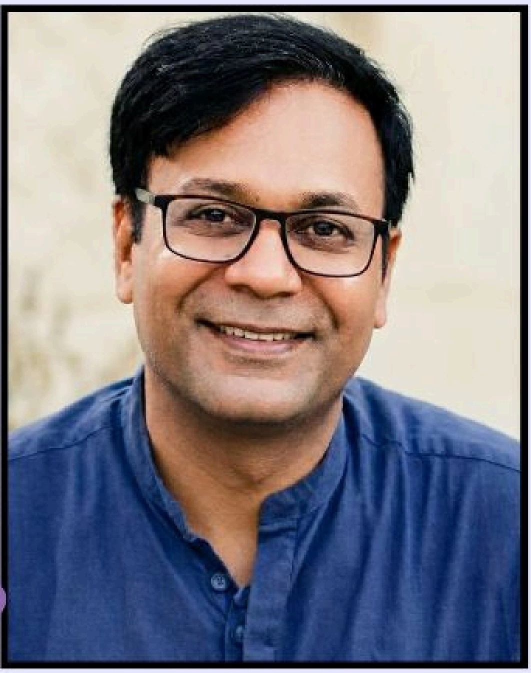

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 01

विषय: नई उड़ान की तैयारी – परीक्षा के बाद सही दिशा का चयन

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थी,

आपने Bihar School Examination Board द्वारा आयोजित मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा पूर्ण की है। परिणाम की प्रतीक्षा का यह समय आपके जीवन की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। सबसे पहले अपने रुचि, क्षमता और दीर्घकालिक लक्ष्य को स्पष्ट करें—भीड़ का अनुसरण नहीं, बल्कि स्वयं की पहचान का चयन करें।

मैट्रिक के बाद यदि आप तकनीकी एवं कौशल आधारित क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आईटीआई (Electrician, Fitter, Welder, COPA आदि) या पॉलिटेक्निक (डिप्लोमा इंजीनियरिंग) उत्तम विकल्प हैं। बिहार में पॉलिटेक्निक में प्रवेश के लिए Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board द्वारा आयोजित DCECE परीक्षा देनी होती है। आवेदन की प्रक्रिया एवं योग्यता की जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in देखें। आईटीआई में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय मेरिट/ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अपनाई जाती है।

इंटरमीडिएट (Arts/Science/Commerce) के बाद आपके लिए स्नातक (BA, BSc, BCom), बीटेक, नर्सिंग, पैरामेडिकल, बीएड, होटल मैनेजमेंट, फायर एंड सेफ्टी, कृषि, डाटा एंट्री, डिजिटल मार्केटिंग जैसे अनेक रोजगारपरक विकल्प उपलब्ध हैं। कौशल विकास हेतु भारत सरकार के Ministry of Skill Development and Entrepreneurship के अंतर्गत विभिन्न प्रमाणपत्र कोर्स संचालित होते हैं, जिनकी जानकारी skillindia.gov.in पर उपलब्ध है।

आर्थिक सहायता के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा हेतु 4 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध है। इसके लिए आवेदन drcc.bihar.gov.in पर किया जाता है। साथ ही छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी और ऑनलाइन आवेदन सुविधा उपलब्ध है।

बिहार की पृष्ठभूमि में देखें तो कृषि-आधारित उद्योग, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, निर्माण कार्य, आईटी सेवाएं एवं सरकारी प्रतियोगी परीक्षाएं (SSC, Railway, Banking, BPSC) प्रमुख संभावनाओं वाले क्षेत्र हैं। यदि आप प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करना चाहते हैं तो स्नातक के साथ-साथ प्रारंभिक तैयारी शुरू करना लाभकारी रहेगा।

याद रखें—सही निर्णय वही है जो आपकी रुचि, क्षमता और संसाधनों के अनुरूप हो। अगले पत्र में हम "मैट्रिक के बाद आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक विकल्प" का विस्तृत विश्लेषण करेंगे।

आपके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित।

.................✍

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 02

"मैट्रिक के बाद – आईटीआई Electrician"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थी,

यदि आपने मैट्रिक उत्तीर्ण किया है और कम समय में रोजगारपरक तकनीकी कौशल प्राप्त करना चाहते हैं, तो आईटीआई (Electrician Trade) एक अत्यंत उपयोगी विकल्प है। यह कोर्स विद्युत वायरिंग, मोटर रिपेयरिंग, ट्रांसफॉर्मर, घरेलू एवं औद्योगिक बिजली कनेक्शन, सोलर सिस्टम इंस्टॉलेशन आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

<u>अर्हता</u>: मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण। सामान्यतः गणित एवं विज्ञान विषय होना वांछनीय है। आयु सीमा प्रायः 14–40 वर्ष (राज्य नियम अनुसार)।

<u>नामांकन प्रक्रिया</u>: बिहार में प्रवेश मेरिट/ऑनलाइन आवेदन के आधार पर होता है। आवेदन एवं अधिसूचना की जानकारी बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग तथा संबंधित पोर्टल पर उपलब्ध होती है। राष्ट्रीय स्तर पर आईटीआई की जानकारी के लिए Ministry of Skill Development and Entrepreneurship की आधिकारिक वेबसाइट skillindia.gov.in तथा apprenticeshipindia.gov.in उपयोगी है।

<u>मान्यता एवं संस्थान:</u> केवल NCVT/SCVT से मान्यता प्राप्त संस्थान में ही नामांकन लें। तकनीकी शिक्षा की मान्यता संबंधी दिशा-निर्देश National Council for Vocational Training द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। बिहार में सरकारी आईटीआई लगभग सभी जिलों में संचालित हैं।

<u>कोर्स अवधि</u>: सामान्यतः 2 वर्ष।

<u>रोजगार की संभावना</u>: बिजली मिस्त्री, इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रिशियन, रेलवे/पीडब्ल्यूडी कॉन्ट्रैक्ट कार्य, निजी कंपनियाँ, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन आदि। अनुभव के बाद स्वयं का व्यवसाय भी शुरू किया जा सकता है। प्रारंभिक आय ₹12,000–20,000 प्रतिमाह से शुरू होकर अनुभव अनुसार बढ़ती है।

<u>उच्चतर अवसर:</u> आईटीआई के बाद अप्रेंटिसशिप, जूनियर इंजीनियर परीक्षा, रेलवे टेक्निकल पद, या पॉलिटेक्निक लेटरल एंट्री का विकल्प खुलता है।

<u>वित्तीय सहायता:</u> बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (DRCC) के माध्यम से तकनीकी कोर्स हेतु ऋण उपलब्ध है (drcc.bihar.gov.in)। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर विभिन्न योजनाएँ उपलब्ध हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को राज्य योजनाओं का लाभ भी मिल सकता है।

<u>विशेष सुझाव:</u> नामांकन से पहले संस्थान की मान्यता, लैब सुविधा, प्लेसमेंट रिकॉर्ड एवं अप्रेंटिसशिप अवसर अवश्य जाँचें।

अगले पत्र में हम इंटरमीडिएट के बाद के कोर्स – B.A. (स्नातक) पर विस्तृत चर्चा करेंगे।
आपके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित। 🌟

.................✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 03

"इंटरमीडिएट के बाद – B.A. (स्नातक)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपने इंटरमीडिएट (Arts/Science/Commerce) उत्तीर्ण किया है और उच्च शिक्षा के माध्यम से व्यापक करियर संभावनाएँ तलाशना चाहते हैं, तो B.A. (Bachelor of Arts) एक लचीला और बहुपयोगी स्नातक कोर्स है। इसमें इतिहास, राजनीति विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, भूगोल, मनोविज्ञान आदि विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त की जा सकती है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं उत्तीर्ण। अधिकांश विश्वविद्यालय मेरिट के आधार पर प्रवेश देते हैं; कुछ में प्रवेश परीक्षा भी हो सकती है।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार के प्रमुख विश्वविद्यालयों — जैसे Patna University, Magadh University, Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University — में ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। संबंधित विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रवेश सूचना (Admission Notice) जारी होती है।

विश्वविद्यालयों की मान्यता संबंधी जानकारी University Grants Commission (ugc.gov.in) पर देखी जा सकती है।

कोर्स अवधि: सामान्यतः 3 वर्ष (NEP-2020 के अनुसार 4-वर्षीय विकल्प भी उपलब्ध)।

रोजगार की संभावना: B.A. के बाद आप निम्न क्षेत्रों में जा सकते हैं—

प्रतियोगी परीक्षाएँ (BPSC, UPSC, SSC, Banking)

@शिक्षण (B.Ed. के बाद), @पत्रकारिता एवं मीडिया @सामाजिक कार्य (NGO)

@प्रशासनिक सेवाएँ @उच्च शिक्षा (M.A., NET, PhD)

स्नातक के बाद प्रारंभिक वेतन ₹15,000–30,000 प्रतिमाह (क्षेत्र अनुसार) हो सकता है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने पर आय एवं प्रतिष्ठा दोनों बढ़ती हैं।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत स्नातक कोर्स हेतु ऋण उपलब्ध है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं। पिछड़ा/अल्पसंख्यक/एससी-एसटी वर्ग के छात्रों हेतु विशेष छात्रवृत्ति योजनाएँ भी संचालित हैं।

विशेष सुझाव: विषय चयन अपनी रुचि एवं भविष्य की योजना के अनुसार करें। यदि आपका लक्ष्य प्रशासनिक सेवा या शिक्षण है, तो राजनीति विज्ञान, इतिहास, हिंदी/अंग्रेजी, अर्थशास्त्र जैसे विषय उपयोगी सिद्ध होते हैं।

अगले पत्र में हम मैट्रिक के बाद के कोर्स – पॉलिटेक्निक (Diploma in Civil Engineering) पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

आपके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ। 🌟 ....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 04

"(मैट्रिक के बाद – पॉलिटेक्निक : Diploma in Civil Engineering)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपने मैट्रिक उत्तीर्ण किया है और इंजीनियरिंग क्षेत्र में जल्दी प्रवेश कर तकनीकी करियर बनाना चाहते हैं, तो Diploma in Civil Engineering (पॉलिटेक्निक) एक उत्कृष्ट विकल्प है। यह कोर्स भवन निर्माण, सड़क, पुल, सर्वेक्षण, ड्रॉइंग, कंक्रीट टेक्नोलॉजी और साइट सुपरविजन का व्यावहारिक प्रशिक्षण देता है। बिहार जैसे निर्माण-उन्मुख राज्य में इसकी मांग निरंतर बढ़ रही है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण (गणित एवं विज्ञान विषय अनिवार्य)।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार में पॉलिटेक्निक में प्रवेश के लिए Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board द्वारा आयोजित DCECE (Diploma Certificate Entrance Competitive Examination) परीक्षा देनी होती है। आवेदन एवं अधिसूचना bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध होती है।

मान्यता एवं संस्थान: राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान लगभग सभी प्रमंडलों में संचालित हैं। निजी संस्थान में प्रवेश लेते समय यह सुनिश्चित करें कि संस्थान All India Council for Technical Education (AICTE) से मान्यता प्राप्त हो।

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना: जूनियर इंजीनियर (सरकारी/निजी), साइट सुपरवाइजर, PWD/ रेलवे/नगर निगम परियोजनाएँ, प्राइवेट कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, स्वयं का ठेकेदारी कार्य। प्रारंभिक वेतन ₹15,000–30,000 प्रतिमाह; सरकारी चयन होने पर वेतनमान अधिक।

उच्चतर अवसर: डिप्लोमा के बाद B.Tech में Lateral Entry (द्वितीय वर्ष में सीधा प्रवेश) का अवसर मिलता है। साथ ही SSC JE, रेलवे JE जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में पात्रता मिलती है।

वित्तीय सहायता: बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत तकनीकी डिप्लोमा हेतु ऋण उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर आवेदन किया जा सकता है।

विशेष सुझाव: गणित एवं तकनीकी ड्रॉइंग में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह कोर्स अत्यंत उपयुक्त है। प्रवेश से पूर्व संस्थान की लैब सुविधा, फैकल्टी और प्लेसमेंट रिकॉर्ड अवश्य जाँचें।

अगले पत्र में हम इंटरमीडिएट के बाद के कोर्स – B.Tech (Engineering) पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ। 🌟

.................✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 05

(इंटरमीडिएट के बाद – B.Tech (Bachelor of Technology/Engineering))

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपने इंटरमीडिएट (Physics, Chemistry, Mathematics) के साथ उत्तीर्ण किया है और तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो B.Tech (Bachelor of Technology) इंजीनियरिंग का सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित स्नातक कोर्स है। इसमें सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी आदि कई शाखाओं में विशेषज्ञता प्राप्त की जा सकती है।

अर्हता: 12वीं (PCM) विषयों के साथ उत्तीर्ण। सामान्यतः न्यूनतम 45–50% अंक आवश्यक होते हैं।

नामांकन प्रक्रिया: देश के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए National Testing Agency द्वारा आयोजित JEE Main परीक्षा देनी होती है। इसके आधार पर देशभर के NIT, IIIT तथा अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश मिलता है। JEE Main की जानकारी jeemain.nta.nic.in पर उपलब्ध है।

बिहार के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board के माध्यम से काउंसलिंग प्रक्रिया संचालित होती है।

मान्यता एवं संस्थान: इंजीनियरिंग कॉलेज का चयन करते समय यह सुनिश्चित करें कि संस्थान All India Council for Technical Education (AICTE) से मान्यता प्राप्त हो। बिहार में कई सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज तथा National Institute of Technology Patna जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी उपलब्ध हैं।

कोर्स अवधि: 4 वर्ष (8 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना: इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए अनेक क्षेत्र उपलब्ध हैं—
आईटी एवं सॉफ्टवेयर कंपनियाँ, निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियाँ, बिजली एवं ऊर्जा क्षेत्र
ऑटोमोबाइल उद्योग, सरकारी सेवाएँ (SSC JE, PSU, रेलवे आदि)।

प्रारंभिक वेतन सामान्यतः ₹25,000–60,000 प्रतिमाह से शुरू हो सकता है, जो अनुभव और संस्थान के अनुसार बढ़ता है।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए ₹4 लाख तक का ऋण उपलब्ध है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर विभिन्न योजनाएँ उपलब्ध हैं।

विशेष सुझाव: इंजीनियरिंग शाखा का चयन करते समय अपनी रुचि, तकनीकी कौशल और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखें। साथ ही कॉलेज के प्लेसमेंट रिकॉर्ड और इंफ्रास्ट्रक्चर की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

अगले पत्र में हम मैट्रिक के बाद – आईटीआई (Fitter Trade) के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे।
आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। 🌟

..................✍

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 06

"(मैट्रिक के बाद – आईटीआई : Fitter Trade)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपने मैट्रिक उत्तीर्ण किया है और तकनीकी क्षेत्र में व्यावहारिक कौशल के साथ जल्दी रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं, तो आईटीआई – Fitter Trade एक अत्यंत उपयोगी और लोकप्रिय कोर्स है। इस कोर्स में मशीनों के विभिन्न पुर्जों को जोड़ना, फिटिंग करना, ड्रिलिंग, कटिंग, ग्राइंडिंग, माप-उपकरणों का उपयोग तथा मशीनों की मरम्मत का प्रशिक्षण दिया जाता है। उद्योगों में इसकी मांग हमेशा बनी रहती है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण। सामान्यतः गणित और विज्ञान विषय होना लाभकारी माना जाता है।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार में आईटीआई में प्रवेश राज्य स्तर की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से होता है। इसके लिए श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा अधिसूचना जारी की जाती है। कौशल प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी के लिए Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (skillindia.gov.in) तथा apprenticeshipindia.gov.in उपयोगी पोर्टल हैं।

मान्यता एवं संस्थान: केवल NCVT/SCVT से मान्यता प्राप्त संस्थानों में ही नामांकन करना चाहिए। व्यावसायिक प्रशिक्षण के मानक Directorate General of Training द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। बिहार के लगभग सभी जिलों में सरकारी आईटीआई संस्थान संचालित हैं।

कोर्स अवधि: सामान्यतः 2 वर्ष।

रोजगार की संभावना: मैन्युफैक्चरिंग कंपनियाँ, ऑटोमोबाइल उद्योग, रेलवे वर्कशॉप, मशीन टूल्स उद्योग, निजी फैक्ट्री एवं उत्पादन इकाइयाँ, अनुभव प्राप्त करने के बाद आप स्वयं की मशीन रिपेयरिंग वर्कशॉप भी शुरू कर सकते हैं। प्रारंभिक आय ₹12,000–20,000 प्रतिमाह से शुरू हो सकती है।

उच्चतर अवसर: आईटीआई के बाद अप्रेंटिसशिप, रेलवे टेक्निकल पद, रक्षा उत्पादन इकाइयाँ, तथा पॉलिटेक्निक में लेटरल एंट्री जैसे अवसर भी उपलब्ध होते हैं।

वित्तीय सहायता: तकनीकी कोर्स के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से ऋण प्राप्त किया जा सकता है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध है।

विशेष सुझाव: यह कोर्स उन विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त है जिन्हें मशीनों, उपकरणों और तकनीकी कार्यों में रुचि होती है। प्रशिक्षण के दौरान अधिक से अधिक व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का प्रयास करें।

अगले पत्र में हम इंटरमीडिएट के बाद के कोर्स B.Sc. (Bachelor of Science) के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे। आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 07

"(इंटरमीडिएट के बाद – B.Sc. (Bachelor of Science))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपने इंटरमीडिएट (Science) में भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित या जीवविज्ञान के साथ अध्ययन किया है और विज्ञान के क्षेत्र में गहराई से पढ़ाई करना चाहते हैं, तो B.Sc. (Bachelor of Science) एक महत्वपूर्ण स्नातक कोर्स है। इसमें गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, कंप्यूटर साइंस, भूगोल आदि विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त की जा सकती है। यह कोर्स शोध, शिक्षण, तकनीकी सेवाओं तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मजबूत आधार तैयार करता है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं (Science) उत्तीर्ण। अधिकांश विश्वविद्यालय मेरिट के आधार पर प्रवेश देते हैं, जबकि कुछ संस्थान प्रवेश परीक्षा भी आयोजित करते हैं।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार के प्रमुख विश्वविद्यालयों — जैसे Patna University, Magadh University, Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University — में ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया संचालित होती है। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रवेश से संबंधित सूचना उपलब्ध होती है।

विश्वविद्यालयों की मान्यता और गुणवत्ता से संबंधित जानकारी University Grants Commission (ugc.gov.in) पर देखी जा सकती है।

कोर्स अवधि: सामान्यतः 3 वर्ष (NEP-2020 के अनुसार 4-वर्षीय विकल्प भी कई विश्वविद्यालयों में उपलब्ध)।

रोजगार की संभावना: B.Sc. के बाद अनेक करियर विकल्प उपलब्ध हैं—

वैज्ञानिक अनुसंधान (M.Sc. के बाद), शिक्षण (B.Ed. के बाद), फार्मा एवं लैब टेक्नोलॉजी, डेटा विश्लेषण एवं आईटी क्षेत्र, कृषि एवं पर्यावरण क्षेत्र, प्रतियोगी परीक्षाएँ (SSC, Banking, UPSC, BPSC)

प्रारंभिक वेतन क्षेत्र के अनुसार ₹20,000–40,000 प्रतिमाह तक हो सकता है। उच्च शिक्षा के बाद अवसर और आय दोनों बढ़ते हैं।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के माध्यम से स्नातक शिक्षा हेतु ऋण प्राप्त किया जा सकता है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर केंद्र एवं राज्य सरकार की अनेक योजनाएँ उपलब्ध हैं।

विशेष सुझाव: विषय चयन करते समय अपनी रुचि और भविष्य की योजना को ध्यान में रखें। यदि आपका लक्ष्य शोध या शिक्षण है, तो B.Sc. के बाद M.Sc. तथा NET/PhD जैसे विकल्पों पर विचार करें।

अगले पत्र में हम मैट्रिक के बाद – ANM (Auxiliary Nurse Midwifery) कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे।

आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं !...........

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 08

"(मैट्रिक के बाद – ANM : Auxiliary Nurse Midwifery)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपने मैट्रिक उत्तीर्ण किया है और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में समाज की सेवा करते हुए सम्मानजनक रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं, तो ANM (Auxiliary Nurse Midwifery) एक महत्वपूर्ण और रोजगारपरक कोर्स है। इस प्रशिक्षण में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण, प्राथमिक चिकित्सा, प्रसव देखभाल तथा सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान दिया जाता है। ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में ANM की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण (कुछ राज्यों में 10वीं के बाद भी अवसर उपलब्ध होते हैं), सामान्यतः आयु सीमा 17–35 वर्ष के बीच होती है। कई संस्थानों में केवल छात्राओं के लिए यह कोर्स संचालित होता है।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार में ANM कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया और काउंसलिंग Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board के माध्यम से संचालित की जाती है। आवेदन और अधिसूचना की जानकारी bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध होती है।

मान्यता एवं संस्थान: केवल उन संस्थानों में ही प्रवेश लें जो Indian Nursing Council तथा राज्य नर्सिंग परिषद से मान्यता प्राप्त हों। बिहार में कई सरकारी नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान तथा मान्यता प्राप्त निजी संस्थान संचालित हैं।

कोर्स अवधि: सामान्यतः 2 वर्ष (सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण सहित)।

रोजगार की संभावना: ANM कोर्स पूरा करने के बाद निम्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिल सकते हैं—

सरकारी स्वास्थ्य केंद्र (Primary Health Centre), उपस्वास्थ्य केंद्र, निजी अस्पताल एवं क्लीनिक, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, स्वास्थ्य मिशन परियोजनाएँ

प्रारंभिक वेतन सामान्यतः ₹15,000–25,000 प्रतिमाह से प्रारंभ हो सकता है, जो अनुभव और सरकारी नियुक्ति के अनुसार बढ़ता है।

वित्तीय सहायता: स्वास्थ्य एवं तकनीकी शिक्षा के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के माध्यम से ऋण उपलब्ध है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध है।

विशेष सुझाव: यदि आपकी रुचि स्वास्थ्य सेवा, नर्सिंग और सामाजिक सेवा में है, तो यह कोर्स आपके लिए अत्यंत उपयुक्त हो सकता है। प्रशिक्षण के दौरान व्यावहारिक अनुभव और सामुदायिक कार्य पर विशेष ध्यान दें।

अगले पत्र में हम इंटरमीडिएट के बाद – BCA (Bachelor of Computer Applications) कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे।

आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। 🌟.........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 09

"(इंटरमीडिएट के बाद – BCA : Bachelor of Computer Applications)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपने इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया है और कंप्यूटर तथा सूचना प्रौद्योगिकी (IT) के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो BCA (Bachelor of Computer Applications) एक अत्यंत लोकप्रिय और रोजगारपरक स्नातक कोर्स है। इस कोर्स में कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डाटाबेस मैनेजमेंट, वेब डिजाइनिंग, नेटवर्किंग तथा आईटी सिस्टम से संबंधित तकनीकी ज्ञान दिया जाता है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं उत्तीर्ण। अधिकांश विश्वविद्यालयों में गणित या कंप्यूटर विषय होना लाभकारी माना जाता है। कई संस्थानों में मेरिट के आधार पर तथा कुछ में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से नामांकन होता है।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों — जैसे Patna University, Magadh University, Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University — में ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से BCA में प्रवेश लिया जा सकता है। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रवेश सूचना उपलब्ध होती है।

उच्च शिक्षा संस्थानों की मान्यता संबंधी जानकारी University Grants Commission (ugc.gov.in) पर देखी जा सकती है।

कोर्स अवधि: सामान्यतः 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना: BCA के बाद आईटी क्षेत्र में अनेक अवसर उपलब्ध हैं—
सॉफ्टवेयर डेवलपर, वेब डेवलपर, सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर, डाटाबेस मैनेजर, आईटी सपोर्ट इंजीनियर।

प्रारंभिक वेतन सामान्यतः ₹20,000–40,000 प्रतिमाह तक हो सकता है। अनुभव और कौशल बढ़ने के साथ आय और अवसर दोनों बढ़ते हैं।

उच्चतर अवसर: BCA के बाद MCA (Master of Computer Applications), डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उन्नत क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती है।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत स्नातक कोर्स हेतु ऋण उपलब्ध है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएँ उपलब्ध हैं।

विशेष सुझाव: कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, लॉजिकल थिंकिंग और नई तकनीकों में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह कोर्स अत्यंत उपयोगी है। पढ़ाई के साथ-साथ प्रोजेक्ट और इंटर्नशिप पर ध्यान देना भी आवश्यक है।

अगले पत्र में हम मैट्रिक के बाद – Paramedical (Lab Technician) कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे।

आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। ....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 10

"(मैट्रिक के बाद – Paramedical : Lab Technician)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपने मैट्रिक उत्तीर्ण किया है और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में तकनीकी कार्य करते हुए एक सम्मानजनक करियर बनाना चाहते हैं, तो Paramedical – Lab Technician कोर्स एक अच्छा विकल्प है। इस कोर्स में रक्त, मूत्र, थूक आदि जैविक नमूनों की जाँच, प्रयोगशाला उपकरणों का संचालन, रिपोर्ट तैयार करना तथा विभिन्न चिकित्सीय परीक्षणों की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया जाता है।

अर्हता: अधिकांश संस्थानों में 10+2 (Science) उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है, जबकि कुछ डिप्लोमा कोर्स में 10वीं के बाद भी प्रवेश का अवसर मिलता है।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार में पैरामेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन और परीक्षा प्रक्रिया Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board द्वारा आयोजित DCECE (PM/PMM) के माध्यम से होती है। आवेदन एवं अधिसूचना bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध रहती है।

मान्यता एवं संस्थान: केवल मान्यता प्राप्त संस्थानों में ही प्रवेश लेना चाहिए। स्वास्थ्य शिक्षा और प्रशिक्षण के मानकों के लिए Ministry of Health and Family Welfare तथा राज्य स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाता है। बिहार में कई सरकारी मेडिकल कॉलेजों एवं पैरामेडिकल संस्थानों में यह कोर्स संचालित है।

कोर्स अवधि: डिप्लोमा कोर्स सामान्यतः 2 वर्ष का होता है, जिसमें सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण शामिल रहता है।

रोजगार की संभावना: सरकारी अस्पताल, निजी अस्पताल एवं डायग्नोस्टिक सेंटर, मेडिकल लैबोरेटरी, पैथोलॉजी सेंटर, शोध संस्थान।

प्रारंभिक वेतन सामान्यतः ₹15,000–30,000 प्रतिमाह तक हो सकता है। अनुभव और विशेषज्ञता बढ़ने के साथ आय में वृद्धि होती है।

उच्चतर अवसर: डिप्लोमा के बाद B.Sc. Medical Lab Technology (MLT) जैसे उच्च कोर्स भी किए जा सकते हैं, जिससे करियर के अवसर और बेहतर हो जाते हैं।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के माध्यम से तकनीकी कोर्स के लिए ऋण उपलब्ध है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध है।

विशेष सुझाव: यदि आपको विज्ञान विषयों और प्रयोगशाला कार्य में रुचि है तथा स्वास्थ्य सेवा से जुड़कर काम करना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए उपयुक्त हो सकता है।

अगले पत्र में हम इंटरमीडिएट के बाद – B.Com (Bachelor of Commerce) कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे।

आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। 🌟.........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 1[redacted]

"(इंटरमीडिएट के बाद – B.Com : Bachelor of Commerce)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि व्यापार, लेखांकन, बैंकिंग, वित्त और प्रबंधन के क्षेत्र में है, तो B.Com (Bachelor of Commerce) एक अत्यंत उपयोगी स्नातक कोर्स है। यह कोर्स आपको अकाउंटिंग, टैक्सेशन, बिज़नेस लॉ, फाइनेंस, ऑडिटिंग और मैनेजमेंट की बुनियादी तथा व्यावहारिक समझ प्रदान करता है। आज के समय में बैंकिंग, कॉर्पोरेट सेक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंसी तथा उद्यमिता के लिए B.Com एक मजबूत आधार माना जाता है।

अर्हता (Eligibility) मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं उत्तीर्ण। वाणिज्य (Commerce) पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को विशेष लाभ होता है, हालांकि कई विश्वविद्यालय अन्य संकाय के छात्रों को भी प्रवेश देते हैं।

नामांकन की विधि: अधिकांश विश्वविद्यालय मेरिट के आधार पर प्रवेश देते हैं, जबकि कुछ संस्थान प्रवेश परीक्षा आयोजित करते हैं। बिहार के विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया संचालित होती है।

प्रमुख विश्वविद्यालय: Patna University – patnauniversity.ac.in, Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University – brabu.net, Magadh University – magadhuniversity.ac.in

देश के प्रमुख संस्थान: यदि आप देश के प्रतिष्ठित कॉलेजों में पढ़ना चाहते हैं, तो निम्न संस्थान उल्लेखनीय हैं: University of Delhi – du.ac.in, Loyola College Chennai – loyolacollege.edu, Christ University – christuniversity.in
इन संस्थानों में प्रवेश सामान्यतः मेरिट या विश्वविद्यालय स्तर की प्रक्रिया से होता है।

कोर्स अवधि: सामान्यतः 3 वर्ष (NEP-2020 के अंतर्गत कई संस्थानों में 4-वर्षीय विकल्प भी उपलब्ध)।

करियर एवं रोजगार की संभावना- B.Com के बाद अनेक संभावनाएँ खुलती हैं बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थान, अकाउंटेंट / टैक्स कंसल्टेंट, चार्टर्ड अकाउंटेंसी (CA), कंपनी सेक्रेटरी (CS), कॉर्पोरेट कंपनियाँ

सरकारी सेवाएँ (SSC, Banking, BPSC): प्रारंभिक वेतन ₹20,000–40,000 प्रतिमाह तक हो सकता है। पेशेवर कोर्स (CA, MBA आदि) के साथ आय और अवसर दोनों बढ़ते हैं।

वित्तीय सहायता: उच्च शिक्षा के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत ₹4 लाख तक की सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर विभिन्न योजनाएँ उपलब्ध हैं।

एक उपयोगी सुझाव: यदि आपका लक्ष्य अकाउंटिंग या वित्तीय क्षेत्र में विशेषज्ञ बनना है, तो B.Com के साथ-साथ CA, CMA, CS या MBA जैसे कोर्स की योजना बनाना अत्यंत लाभकारी हो सकता है। अगले पत्र में हम मैट्रिक के बाद – Diploma in Mechanical Engineering (Polytechnic) को विस्तार से समझेंगे। आपके सफल और उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। 🌟

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 12

(मैट्रिक के बाद – पॉलिटेक्निक : Diploma in Mechanical Engineering)

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपने मैट्रिक के बाद तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाने का निश्चय किया है, तो Diploma in Mechanical Engineering (पॉलिटेक्निक) एक अत्यंत उपयोगी और व्यावहारिक कोर्स है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग को इंजीनियरिंग की "मूल शाखा" कहा जाता है, क्योंकि मशीनों का डिजाइन, निर्माण, रख-रखाव तथा उत्पादन से जुड़े अधिकांश उद्योग इसी से जुड़े होते हैं। इस कोर्स में मशीन ड्रॉइंग, थर्मोडायनेमिक्स, वर्कशॉप टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल बेसिक्स तथा उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाता है।

अर्हता (Eligibility): मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण (गणित एवं विज्ञान विषय आवश्यक)।

नामांकन की प्रक्रिया: बिहार में सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों में प्रवेश के लिए Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board द्वारा आयोजित DCECE (Diploma Certificate Entrance Competitive Examination) देना होता है। आवेदन और विस्तृत जानकारी bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध होती है।

बिहार के प्रमुख सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थान: Government Polytechnic Patna-7, New Government Polytechnic Patna, Government Polytechnic Muzaffarpur Government Polytechnic Bhagalpur

इन सभी संस्थानों में बिहार सरकार द्वारा कम शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है।

देश के प्रमुख सरकारी तकनीकी संस्थान (डिप्लोमा के बाद उच्च शिक्षा हेतु): Indian Institute of Technology Delhi, National Institute of Technology Patna

डिप्लोमा के बाद लेटरल एंट्री के माध्यम से B.Tech में प्रवेश लेकर आप इन जैसे संस्थानों तक आगे बढ़ सकते हैं।

कोर्स अवधि: सामान्यत: 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना: मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा धारकों के लिए अनेक उद्योगों में अवसर होते हैं— ऑटोमोबाइल उद्योग, मैन्युफैक्चरिंग कंपनियाँ, रेलवे वर्कशॉप, थर्मल पावर प्लांट, मशीन निर्माण इकाइयाँ

प्रारंभिक वेतन लगभग ₹15,000–30,000 प्रति माह हो सकता है। अनुभव और उच्च शिक्षा के साथ यह तेजी से बढ़ता है।

आगे की पढ़ाई: डिप्लोमा के बाद B.Tech (Lateral Entry) में सीधे दूसरे वर्ष में प्रवेश संभव है।

वित्तीय सहायता: तकनीकी शिक्षा के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत आर्थिक सहायता मिल सकती है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal (scholarships.gov.in) पर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।

अंतिम सुझाव: यदि आपको मशीनों, ऑटोमोबाइल, उपकरणों और तकनीकी कार्यों में रुचि है, तो यह कोर्स आपके लिए एक मजबूत करियर मार्ग बना सकता है।

अगले पत्र में हम इंटरमीडिएट के बाद – BBA (Bachelor of Business Administration) के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।

....
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 13

(इंटरमीडिएट के बाद – BBA : Bachelor of Business Administration)

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि व्यवसाय, प्रबंधन, नेतृत्व और उद्यमिता (Entrepreneurship) में है, तो BBA (Bachelor of Business Administration) एक अत्यंत उपयोगी और आधुनिक स्नातक कोर्स है। इस कोर्स में मैनेजमेंट, मार्केटिंग, फाइनेंस, अकाउंटिंग, ह्यूमन रिसोर्स (HR), बिज़नेस लॉ, संगठनात्मक व्यवहार, बिज़नेस कम्युनिकेशन और उद्यमिता विकास जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थी किसी भी व्यवसायिक संस्था, कंपनी या स्टार्टअप को समझने और संचालित करने की बुनियादी क्षमता विकसित करते हैं।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं उत्तीर्ण (Arts/Science/Commerce किसी भी संकाय से)। सामान्यत: 45–50% अंक अपेक्षित होते हैं।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकांश विश्वविद्यालयों में प्रवेश मेरिट या प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। आवेदन प्रक्रिया सामान्यत: ऑनलाइन होती है।

बिहार के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालय: Patna University – patnauniversity.ac.in
Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University – brabu.net
Nalanda Open University – nalandaopenuniversity.com

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:
University of Delhi – du.ac.in
Jamia Millia Islamia – jmi.ac.in
Banaras Hindu University – bhu.ac.in

कोर्स अवधि: सामान्यत: 3 वर्ष (6 सेमेस्टर); कई विश्वविद्यालयों में NEP-2020 के अंतर्गत 4-वर्षीय विकल्प भी उपलब्ध।

रोजगार की संभावना: BBA के बाद कॉर्पोरेट कंपनियाँ, बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थान, मार्केटिंग एवं सेल्स, मानव संसाधन प्रबंधन, बिज़नेस एनालिटिक्स, ई-कॉमर्स कंपनियाँ और स्टार्टअप सेक्टर में अवसर मिलते हैं। प्रारंभिक वेतन सामान्यत: ₹20,000–40,000 प्रति माह हो सकता है, जो अनुभव, कौशल और संस्थान की गुणवत्ता के अनुसार बढ़ता है।

उच्च शिक्षा एवं करियर विस्तार: BBA के बाद MBA (Master of Business Administration) सबसे लोकप्रिय विकल्प है। इसके अतिरिक्त बिज़नेस एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, इंटरनेशनल बिज़नेस, फाइनेंस मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त की जा सकती है।

वित्तीय सहायता: उच्च शिक्षा के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी और आवेदन हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in एक महत्वपूर्ण मंच है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप भविष्य में कॉर्पोरेट प्रबंधक, बिज़नेस प्रोफेशनल या सफल उद्यमी बनना चाहते हैं, तो BBA आपके करियर की मजबूत शुरुआत सिद्ध हो सकता है। अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Agriculture Diploma। 🌱

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 14

"(मैट्रिक के बाद – Agriculture Diploma)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि कृषि, प्राकृतिक संसाधन, खेती की आधुनिक तकनीक और ग्रामीण विकास में है, तो Agriculture Diploma एक अत्यंत उपयोगी एवं रोजगारपरक कोर्स है। बिहार जैसे कृषि-प्रधान राज्य में यह कोर्स विशेष महत्व रखता है। इसमें फसल उत्पादन, मृदा विज्ञान (Soil Science), सिंचाई तकनीक, बीज प्रबंधन, उर्वरक उपयोग, कीट नियंत्रण, कृषि यंत्रों का उपयोग आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण। कुछ संस्थानों में 12वीं (Science/Agri) को प्राथमिकता दी जाती है।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार में कृषि डिप्लोमा/पैरामेडिकल-एग्री से संबंधित कोर्सों में प्रवेश के लिए Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board द्वारा आयोजित परीक्षा/मेरिट प्रक्रिया अपनाई जाती है। आवेदन की जानकारी bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध होती है।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University – rpcau.ac.in

Bihar Agricultural University – bausabour.ac.in

विभिन्न सरकारी कृषि प्रशिक्षण संस्थान (ATI/KVK)

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान (उच्च शिक्षा हेतु):

Indian Agricultural Research Institute – iari.res.in

Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology – gbpuat.ac.in

कोर्स अवधि: सामान्यत: 2–3 वर्ष (संस्थान अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

कृषि विभाग, कृषि सलाहकार, बीज/उर्वरक कंपनियाँ, एग्री-बिज़नेस फर्म, बैंक (Agri Officer तैयारी), NGO, तथा स्वयं का कृषि/डेयरी/हॉर्टिकल्चर व्यवसाय। प्रारंभिक आय लगभग ₹15,000–30,000 प्रति माह, जबकि स्वयं का व्यवसाय शुरू करने पर आय की कोई निश्चित सीमा नहीं।

आगे की पढ़ाई: डिप्लोमा के बाद B.Sc Agriculture में प्रवेश लेकर उच्च स्तर की पढ़ाई और सरकारी नौकरियों के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप आधुनिक खेती, एग्री-बिज़नेस या ग्रामीण विकास में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है—खासकर बिहार की परिस्थितियों में।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : B.Sc Nursing। 🏥🌾

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 15

"(इंटरमीडिएट के बाद – B.Sc Nursing)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि स्वास्थ्य सेवा, रोगी देखभाल और मेडिकल क्षेत्र में है, तो B.Sc Nursing एक अत्यंत सम्मानजनक, स्थिर और रोजगारपरक स्नातक कोर्स है। इस कोर्स में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, नर्सिंग फाउंडेशन, कम्युनिटी हेल्थ, मेडिकल-सर्जिकल नर्सिंग, प्रसूति एवं बाल स्वास्थ्य (Midwifery) जैसे विषयों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित नर्सों की मांग भारत ही नहीं, विदेशों में भी लगातार बढ़ रही है।

अर्हता: 12वीं (Physics, Chemistry, Biology) के साथ उत्तीर्ण, सामान्यतः न्यूनतम 45–50% अंक आवश्यक; आयु प्रायः 17 वर्ष या अधिक।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकांश सरकारी संस्थानों में प्रवेश प्रवेश परीक्षा/मेरिट के आधार पर होता है। बिहार में B.Sc Nursing में प्रवेश हेतु प्रक्रिया Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board द्वारा संचालित की जाती है। आवेदन एवं काउंसलिंग की जानकारी bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध रहती है।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:: Patna Medical College and Hospital
Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Nalanda Medical College and Hospital

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान: All India Institute of Medical Sciences New Delhi – aiims.edu, Postgraduate Institute of Medical Education and Research – pgimer.edu.in, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research – jipmer.edu.in

मान्यता: संस्थान का चयन करते समय यह सुनिश्चित करें कि वह Indian Nursing Council से मान्यता प्राप्त हो।

कोर्स अवधि: 4 वर्ष (इंटर्नशिप सहित)।

रोजगार की संभावना: सरकारी/निजी अस्पताल, हेल्थ सेंटर, नर्सिंग होम, आर्मी मेडिकल सर्विस, विदेशों में नर्सिंग जॉब, हेल्थ प्रोजेक्ट्स। प्रारंभिक वेतन सामान्यतः ₹25,000–50,000 प्रति माह; विदेशों में इससे अधिक।

उच्च शिक्षा: M.Sc Nursing, Nurse Practitioner, Hospital Administration आदि में विशेषज्ञता प्राप्त की जा सकती है।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप सेवा भावना, धैर्य और मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो B.Sc Nursing आपके लिए एक मजबूत और सम्मानजनक विकल्प है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Fire & Safety Diploma। 🔥🚒

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 16

"(मैट्रिक के बाद – Fire & Safety Diploma)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आप सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, अग्निशमन (Fire Fighting) और औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो Fire & Safety Diploma एक अत्यंत उपयोगी और तेजी से उभरता हुआ कोर्स है। इसमें फायर प्रिवेंशन, फायर फाइटिंग तकनीक, इंडस्ट्रियल सेफ्टी, आपदा प्रबंधन, रिस्क असेसमेंट, प्राथमिक उपचार (First Aid) आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। आजकल फैक्ट्री, मॉल, एयरपोर्ट, अस्पताल, होटल और बड़ी कंपनियों में सुरक्षा विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है।

अर्हता: 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण (संस्थान अनुसार); शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक।
नामांकन प्रक्रिया: अधिकतर संस्थानों में सीधे आवेदन (Direct Admission) या मेरिट के आधार पर प्रवेश मिलता है। कौशल आधारित प्रशिक्षण की जानकारी के लिए Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in तथा National Skill Development Corporation – nsdcindia.org उपयोगी पोर्टल हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी/अर्ध-सरकारी विकल्प:
Bihar Skill Development Mission के अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण केंद्र
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) में संबंधित शॉर्ट-टर्म कोर्स
राज्य आपदा प्रबंधन से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम

देश के प्रमुख संस्थान (सरकारी/प्रमुख):
National Fire Service College – nfscnagpur.nic.in
Delhi Fire Service Training Centre
Central Industrial Security Force Fire Wing (प्रशिक्षण एवं भर्ती अवसर)
कोर्स अवधि: 6 माह से 1 वर्ष (डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अनुसार)।

रोजगार की संभावना: फायरमैन, सेफ्टी ऑफिसर, इंडस्ट्रियल सेफ्टी सुपरवाइजर, ऑयल-गैस सेक्टर, एयरपोर्ट, मेट्रो, मॉल, होटल, कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ। प्रारंभिक वेतन ₹15,000–35,000 प्रति माह, अनुभव के साथ तेजी से वृद्धि।

आगे के अवसर: उच्च डिप्लोमा, NEBOSH (अंतरराष्ट्रीय सेफ्टी सर्टिफिकेशन), इंडस्ट्रियल सेफ्टी में विशेषज्ञता लेकर विदेशों में भी नौकरी के अवसर।
वित्तीय सहायता: कौशल आधारित कोर्स हेतु बिहार सरकार की योजनाएँ तथा स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड (drcc.bihar.gov.in) से सहायता मिल सकती है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in देखें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में काम करने का साहस, अनुशासन और सेवा भावना रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए एक साहसिक और सम्मानजनक करियर प्रदान कर सकता है।
अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : B.Pharm (Bachelor of Pharmacy)। 💊

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 17

"(इंटरमीडिएट के बाद – B.Pharm : Bachelor of Pharmacy)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि दवाइयों, मेडिकल साइंस, केमिस्ट्री और हेल्थकेयर इंडस्ट्री में है, तो B.Pharm (Bachelor of Pharmacy) एक अत्यंत उपयोगी और प्रोफेशनल कोर्स है। इस कोर्स में Pharmaceutics, Pharmacology, Pharmaceutical Chemistry, Drug Analysis, Pharmacognosy आदि विषयों का अध्ययन कराया जाता है, जिससे आप दवाइयों के निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण और उपयोग की वैज्ञानिक समझ विकसित करते हैं।

अर्हता: 12वीं (Physics, Chemistry, Biology/Mathematics) के साथ उत्तीर्ण; सामान्यतः 45–50% अंक आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: प्रवेश सामान्यतः प्रवेश परीक्षा/मेरिट के आधार पर होता है। बिहार में B.Pharm से संबंधित काउंसलिंग/प्रक्रिया Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board के माध्यम से संचालित होती है। राष्ट्रीय स्तर पर कई संस्थान अपनी अलग प्रवेश परीक्षा भी आयोजित करते हैं।

मान्यता: संस्थान का चयन करते समय यह सुनिश्चित करें कि वह Pharmacy Council of India (PCI) तथा All India Council for Technical Education से मान्यता प्राप्त हो।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान: Government Pharmacy Institute Gulzarbagh Nalanda Medical College and Hospital (संबद्ध कोर्स/प्रशिक्षण)

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान: National Institute of Pharmaceutical Education and Research – niper.gov.in, Jamia Hamdard – jamiahamdard.edu, Banaras Hindu University – bhu.ac.in

कोर्स अवधि: 4 वर्ष (8 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना: फार्मास्युटिकल कंपनियाँ, अस्पताल, ड्रग मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, ड्रग इंस्पेक्टर (सरकारी सेवा), रिसर्च एवं डेवलपमेंट। प्रारंभिक वेतन सामान्यतः ₹25,000–50,000 प्रति माह।

आगे के अवसर M.Pharm, Pharm.D, रिसर्च, क्लिनिकल ट्रायल, या स्वयं की मेडिकल स्टोर/फार्मेसी खोलने का विकल्प।

वित्तीय सहायता: उच्च शिक्षा के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप मेडिकल क्षेत्र में तकनीकी विशेषज्ञ बनना चाहते हैं और दवाइयों के विज्ञान में रुचि रखते हैं, तो B.Pharm आपके लिए एक मजबूत और स्थायी करियर विकल्प है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Hotel Management (Diploma)। 🍽️🏨

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 18

"(मैट्रिक के बाद – Hotel Management (Diploma))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि होटल, पर्यटन, खान-पान, आतिथ्य (Hospitality) और सर्विस सेक्टर में है, तो Hotel Management (Diploma) एक आकर्षक एवं रोजगारपरक कोर्स है। इसमें Food Production, Bakery & Confectionery, Front Office, Housekeeping, Food & Beverage Service, Communication Skills आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे आप होटल और पर्यटन उद्योग के लिए तैयार होते हैं।

अर्हता: 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण (संस्थान अनुसार); अच्छे संप्रेषण कौशल (Communication Skills) व व्यक्तित्व का महत्व।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकांश संस्थानों में मेरिट/डायरेक्ट एडमिशन; जबकि प्रमुख सरकारी संस्थानों में प्रवेश के लिए National Testing Agency द्वारा आयोजित NCHM JEE परीक्षा के माध्यम से नामांकन होता है (nchmjee.nta.nic.in)।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:
Institute of Hotel Management Hajipur
Bihar Skill Development Mission के अंतर्गत हॉस्पिटैलिटी कोर्स

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:
Institute of Hotel Management Pusa
Institute of Hotel Management Mumbai
Institute of Hotel Management Bangalore

कोर्स अवधि: 1–3 वर्ष (डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

होटल, रिसॉर्ट, एयरलाइन कैटरिंग, क्रूज, रेस्टोरेंट, केटरिंग कंपनियाँ, टूरिज्म सेक्टर। प्रारंभिक वेतन ₹15,000–30,000 प्रति माह, अनुभव व विदेश अवसरों के साथ आय में तेज वृद्धि।

आगे के अवसर:

डिप्लोमा के बाद Degree in Hotel Management, इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी कोर्स, या स्वयं का रेस्टोरेंट/कैफे व्यवसाय।

वित्तीय सहायता: कौशल आधारित शिक्षा हेतु बिहार सरकार की योजनाएँ तथा स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से सहायता ली जा सकती है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in उपयोगी है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप सर्विस इंडस्ट्री, लोगों से संवाद और रचनात्मक कार्य में रुचि रखते हैं, तो यह कोर्स आपको देश-विदेश में आकर्षक करियर अवसर प्रदान कर सकता है।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 19

"(इंटरमीडिएट के बाद – Law (BA-LLB))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि कानून, न्याय व्यवस्था, वाद-विवाद, सामाजिक मुद्दों और प्रशासनिक सेवाओं में है, तो BA-LLB (5-वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ कोर्स) एक प्रतिष्ठित और प्रभावशाली करियर विकल्प है। इस कोर्स में संविधान (Constitution), आपराधिक कानून (Criminal Law), सिविल लॉ, कॉर्पोरेट लॉ, अंतरराष्ट्रीय कानून, मानवाधिकार आदि विषयों का अध्ययन कराया जाता है, साथ ही कोर्ट प्रैक्टिस, मूट कोर्ट और इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी मिलता है।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (किसी भी संकाय से), सामान्यतः 45–50% अंक आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: देश के शीर्ष लॉ संस्थानों में प्रवेश के लिए Consortium of National Law Universities द्वारा आयोजित CLAT (Common Law Admission Test) परीक्षा देनी होती है (consortiumofnlus.ac.in)। इसके अलावा कुछ विश्वविद्यालय अपनी अलग प्रवेश परीक्षा/मेरिट के आधार पर भी प्रवेश देते हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Chanakya National Law University

Patna University (Law Faculty)

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान (NLUs):

National Law School of India University

National Academy of Legal Studies and Research

National Law University Delhi

कोर्स अवधि: 5 वर्ष (इंटीग्रेटेड)।

करियर एवं रोजगार की संभावना: वकालत (Advocate), न्यायिक सेवा (Judge – प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से), कॉर्पोरेट लॉयर, लीगल एडवाइजर, सरकारी वकील, सिविल सेवा। प्रारंभिक आय ₹20,000–50,000 प्रति माह; अनुभव व विशेषज्ञता के साथ आय अत्यधिक बढ़ सकती है।

आगे के अवसर:

LLM (Master of Law), Judicial Services Exam, UPSC/BPSC, कॉर्पोरेट सेक्टर में लीगल कंसल्टेंसी।

वित्तीय सहायता: उच्च शिक्षा हेतु बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से सहायता ली जा सकती है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in उपयोगी मंच है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप न्याय, तर्कशक्ति, विश्लेषण और समाज में परिवर्तन लाने की सोच रखते हैं, तो लॉ आपके लिए एक सम्मानजनक और प्रभावशाली करियर बना सकता है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Mobile Repairing & Hardware Course। 📱🔧

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 20

"(मैट्रिक के बाद – Mobile Repairing & Hardware Course)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

डिजिटल युग में मोबाइल फोन, स्मार्ट डिवाइस, टैबलेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। लगभग हर व्यक्ति आज स्मार्टफोन पर निर्भर है, जिससे Mobile Repairing & Hardware Course एक अत्यंत व्यावहारिक, कम समय में रोजगार देने वाला और स्व-रोजगार (Self Employment) आधारित कोर्स बन गया है। इस कोर्स में मोबाइल हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर इंस्टॉलेशन, फ्लैशिंग, चिप-लेवल रिपेयरिंग, स्क्रीन/बैटरी बदलना, नेटवर्क समस्या समाधान, डेटा रिकवरी, स्मार्टफोन ट्रबलशूटिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; तकनीकी रुचि, धैर्य और सीखने की इच्छा आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकांश संस्थानों में डायरेक्ट एडमिशन/मेरिट के आधार पर प्रवेश मिलता है। सरकारी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी के लिए Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in तथा National Skill Development Corporation – nsdcindia.org उपयोगी पोर्टल हैं, जहाँ कई प्रमाणित कोर्स उपलब्ध हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी/कौशल संस्थान:

Bihar Skill Development Mission (BSDM) – राज्यभर में प्रशिक्षण केंद्र

सरकारी आईटीआई एवं जिला स्तरीय स्किल डेवलपमेंट सेंटर

CSC (Common Service Centre) आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम

कोर्स अवधि: सामान्यतः 3 माह से 1 वर्ष (सर्टिफिकेट/डिप्लोमा के अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

मोबाइल सर्विस सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स शॉप, अधिकृत ब्रांड सर्विस सेंटर, ई-कॉमर्स सर्विस नेटवर्क या स्वयं की मोबाइल रिपेयरिंग दुकान/स्टार्टअप। प्रारंभिक आय लगभग ₹10,000–25,000 प्रति माह, जबकि अनुभव और ग्राहक बढ़ने पर आय ₹30,000–50,000 या उससे अधिक भी हो सकती है।

आगे के अवसर: एडवांस मोबाइल रिपेयरिंग, लैपटॉप/कंप्यूटर हार्डवेयर, नेटवर्किंग, CCTV इंस्टॉलेशन, डिजिटल सेवा केंद्र (CSC) खोलना, या मल्टी-डिवाइस सर्विस सेंटर स्थापित करना।

वित्तीय सहायता: कौशल आधारित कोर्स के लिए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएँ उपलब्ध हैं। उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण हेतु बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) का लाभ लिया जा सकता है। छात्रवृत्ति एवं अन्य सहायता के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in एक महत्वपूर्ण मंच है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप कम समय में कौशल सीखकर तुरंत कमाई शुरू करना चाहते हैं, साथ ही भविष्य में अपना खुद का व्यवसाय स्थापित करना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए अत्यंत लाभकारी और आत्मनिर्भर बनाने वाला विकल्प सिद्ध हो सकता है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : B.Sc Agriculture।

....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 21

"(इंटरमीडिएट के बाद – B.Sc. Agriculture)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि कृषि, वैज्ञानिक खेती, ग्रामीण विकास और एग्री-बिज़नेस में है, तो B.Sc Agriculture एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं भविष्य-उन्मुख स्नातक कोर्स है। यह कोर्स आधुनिक कृषि तकनीक, मृदा विज्ञान (Soil Science), पौध प्रजनन (Plant Breeding), कृषि अर्थशास्त्र, एग्रोनॉमी, कीट विज्ञान (Entomology), बागवानी (Horticulture) आदि विषयों का वैज्ञानिक अध्ययन कराता है। आज के समय में कृषि केवल खेती तक सीमित नहीं, बल्कि एक बड़ा एग्री-इंडस्ट्री सेक्टर बन चुका है।

अर्हता: 12वीं (Physics, Chemistry, Biology/Mathematics/Agriculture) के साथ उत्तीर्ण; सामान्यतः न्यूनतम 50% अंक अपेक्षित।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार में B.Sc Agriculture में प्रवेश के लिए Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board द्वारा आयोजित परीक्षा/काउंसलिंग प्रक्रिया अपनाई जाती है। कई राष्ट्रीय संस्थानों में ICAR (Indian Council of Agricultural Research) के माध्यम से भी प्रवेश होता है।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान: Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University – rpcau.ac.in, Bihar Agricultural University – bausabour.ac.in

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान: Indian Agricultural Research Institute – iari.res.in, Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology – gbpuat.ac.in, Punjab Agricultural University – pau.edu

कोर्स अवधि: 4 वर्ष (8 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना: कृषि विभाग, कृषि वैज्ञानिक, एग्री-बिज़नेस कंपनियाँ, बैंक (Agriculture Officer), NGO, कृषि सलाहकार, फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री। प्रारंभिक वेतन ₹25,000–50,000 प्रति माह; अनुभव और विशेषज्ञता के साथ वृद्धि।

स्व-रोजगार के अवसर: आधुनिक खेती, जैविक कृषि, डेयरी, मछली पालन, मधुमक्खी पालन, एग्री-स्टार्टअप आदि के माध्यम से उच्च आय अर्जित की जा सकती है।

उच्च शिक्षा: M.Sc Agriculture, ICAR-JRF, कृषि अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालयों में शिक्षण/वैज्ञानिक पद।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर विभिन्न योजनाएँ उपलब्ध हैं। ICAR द्वारा भी मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप वैज्ञानिक खेती, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना चाहते हैं, तो B.Sc Agriculture आपके लिए अत्यंत उज्ज्वल और स्थायी करियर विकल्प है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : ITI – Diesel Mechanic।....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 22

(मैट्रिक के बाद – ITI : Diesel Mechanic)

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि वाहनों, इंजन, मशीनों और तकनीकी मरम्मत कार्य में है, तो ITI – Diesel Mechanic एक अत्यंत व्यावहारिक और रोजगारपरक कोर्स है। इस कोर्स में डीजल इंजन की संरचना, इंजन रिपेयरिंग, फ्यूल सिस्टम, लुब्रिकेशन, ट्रैक्टर/ट्रक/बस मेंटेनेंस, ऑटोमोबाइल सर्विसिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। कृषि और परिवहन प्रधान राज्यों—जैसे बिहार—में इस कौशल की मांग लगातार बनी रहती है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण; गणित एवं विज्ञान विषय लाभकारी।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार में ITI ट्रेड्स में प्रवेश राज्य स्तर की ऑनलाइन प्रक्रिया/मेरिट के आधार पर होता है। आवेदन व प्रशिक्षण संबंधी जानकारी के लिए Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in तथा Directorate General of Training – dgt.gov.in उपयोगी पोर्टल हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

विभिन्न सरकारी ITI संस्थान (प्रत्येक जिले में उपलब्ध)

Bihar Skill Development Mission के प्रशिक्षण केंद्र

कोर्स अवधि: सामान्यतः 1–2 वर्ष (ट्रेड अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

ऑटोमोबाइल वर्कशॉप, ट्रांसपोर्ट कंपनियाँ, ट्रैक्टर/कृषि मशीनरी सर्विस सेंटर, रेलवे वर्कशॉप, कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ। प्रारंभिक आय लगभग ₹12,000–25,000 प्रति माह, अनुभव के साथ वृद्धि।

स्व-रोजगार के अवसर:

स्वयं की गैरेज/ऑटो रिपेयरिंग वर्कशॉप, ट्रैक्टर सर्विस सेंटर, मोबाइल सर्विसिंग यूनिट शुरू कर अच्छी आय अर्जित की जा सकती है।

आगे के अवसर:

अप्रेंटिसशिप (Apprenticeship), पॉलिटेक्निक में लेटरल एंट्री, रेलवे/SSC टेक्निकल पदों की तैयारी।

वित्तीय सहायता:

तकनीकी कोर्स हेतु बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से सहायता प्राप्त की जा सकती है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर विभिन्न योजनाएँ उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप मशीनों के साथ काम करने में रुचि रखते हैं और जल्दी रोजगार या स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो Diesel Mechanic ट्रेड आपके लिए एक मजबूत विकल्प है।

अगले पत्र में – **इंटरमीडिएट के बाद : Paramedical – Radiology & Imaging Technology

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 23

(इंटरमीडिएट के बाद – Paramedical : Radiology & Imaging Technology)

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,,

यदि आपकी रुचि मेडिकल टेक्नोलॉजी, मशीनों के माध्यम से रोग पहचान (Diagnosis) और हेल्थकेयर में है, तो Radiology & Imaging Technology एक उभरता हुआ और उच्च मांग वाला करियर विकल्प है। इस कोर्स में X-Ray, CT Scan, MRI, Ultrasound, Imaging Techniques, Radiation Safety आदि का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। आधुनिक चिकित्सा प्रणाली में सही निदान (Diagnosis) के लिए रेडियोलॉजी विशेषज्ञों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अर्हता: 12वीं (Physics, Chemistry, Biology) के साथ उत्तीर्ण; सामान्यतः न्यूनतम 45–50% अंक आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार में पैरामेडिकल कोर्स में प्रवेश हेतु Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board द्वारा आयोजित DCECE (PM/PMM) परीक्षा के माध्यम से नामांकन होता है। आवेदन व काउंसलिंग की जानकारी bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध रहती है।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Patna Medical College and Hospital
Indira Gandhi Institute of Medical Sciences
Nalanda Medical College and Hospital

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

All India Institute of Medical Sciences New Delhi – aiims.edu
Postgraduate Institute of Medical Education and Research – pgimer.edu.in
Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research – jipmer.edu.in

कोर्स अवधि: 2–4 वर्ष (डिप्लोमा/डिग्री के अनुसार)।

रोजगार की संभावना: सरकारी/निजी अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर, रेडियोलॉजी लैब, मेडिकल कॉलेज, हेल्थकेयर चेन। प्रारंभिक वेतन सामान्यतः ₹20,000–45,000 प्रति माह, अनुभव के साथ वृद्धि।

आगे के अवसर: B.Sc/M.Sc Radiology, MRI/CT स्पेशलाइजेशन, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, विदेशों में टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में अवसर।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप मेडिकल टेक्नोलॉजी और मशीनों के साथ काम करते हुए मरीजों की सहायता करना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए आधुनिक और स्थायी करियर विकल्प है।

अगले पत्र में – **मैट्रिक के बाद : Dairy Technology.Diploma

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 24

"(मैट्रिक के बाद – Dairy Technology Diploma)"

'संपादकीय'

यदि आपकी रुचि दूध, डेयरी उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण (Food Processing) और कृषि-आधारित उद्योग में है, तो Dairy Technology Diploma एक उपयोगी और रोजगारपरक कोर्स है। इस कोर्स में दूध का संग्रहण, प्रोसेसिंग, पाश्चराइजेशन, गुणवत्ता परीक्षण, मक्खन/घी/पनीर/दही निर्माण, कोल्ड चेन मैनेजमेंट आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। बिहार जैसे राज्य में डेयरी सेक्टर (जैसे दुग्ध सहकारी समितियाँ) तेजी से बढ़ रहा है।

अर्हता: 10वीं उत्तीर्ण (कुछ संस्थानों में 12वीं Science को वरीयता); विज्ञान विषय का आधार लाभकारी।

नामांकन प्रक्रिया: राज्य/संस्थान के अनुसार मेरिट या प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश। बिहार में संबंधित कोर्स/काउंसलिंग की जानकारी Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board (bceceboard.bihar.gov.in) पर मिलती है। कौशल/फूड प्रोसेसिंग से जुड़े अल्पकालिक कोर्स हेतु Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (skillindia.gov.in) भी उपयोगी है।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान/समर्थन तंत्र:

Bihar Agricultural University – bausabour.ac.in
Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University – rpcau.ac.in
राज्य की दुग्ध सहकारी संस्थाएँ/प्रशिक्षण केंद्र (जैसे COMFED नेटवर्क)

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

National Dairy Research Institute – ndri.res.in
Indian Veterinary Research Institute – ivri.nic.in
Anand Agricultural University – aau.in
कोर्स अवधि: सामान्यतः 1–3 वर्ष (डिप्लोमा स्तर अनुसार)।

रोजगार की संभावना: डेयरी प्लांट, दुग्ध सहकारी समितियाँ, फूड प्रोसेसिंग कंपनियाँ, क्वालिटी कंट्रोल लैब, कोल्ड स्टोरेज यूनिट। प्रारंभिक आय ₹15,000–30,000 प्रति माह, अनुभव के साथ वृद्धि।

स्व-रोजगार के अवसर: डेयरी फार्म, दुग्ध उत्पाद (पनीर/दही/घी) निर्माण इकाई, मिल्क कलेक्शन सेंटर—कम पूंजी में शुरू कर अच्छी आय संभव।

आगे की पढ़ाई: B.Tech Dairy Technology, B.Sc Dairy Science/Agri, फूड टेक्नोलॉजी में उच्च शिक्षा।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से तकनीकी शिक्षा हेतु सहायता मिल सकती है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप कृषि से जुड़ा व्यवसाय, फूड प्रोसेसिंग या स्वयं का डेयरी उद्यम स्थापित करना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए व्यावहारिक और लाभकारी मार्ग खोलता है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : Mass Communication (Bachelor in Mass Communication/Journalism)। 📰🎙

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 25

"(इंटरमीडिएट के बाद – Mass Communication / Journalism)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि मीडिया, पत्रकारिता, लेखन, एंकरिंग, डिजिटल कंटेंट और जनसंचार में है, तो Mass Communication / Journalism (BJMC/BMC) एक आधुनिक और तेजी से विकसित होता करियर विकल्प है। इस कोर्स में समाचार लेखन (News Writing), रिपोर्टिंग, एडिटिंग, टीवी एंकरिंग, रेडियो जॉकी (RJ), डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, पब्लिक रिलेशन (PR) आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (किसी भी संकाय से); अच्छे कम्युनिकेशन स्किल और भाषा पर पकड़ आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकतर विश्वविद्यालयों में मेरिट/प्रवेश परीक्षा के आधार पर ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्रवेश।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Patna University – (Department of Journalism & Mass Communication)

Aryabhatta Knowledge University (संबद्ध कॉलेज)

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Indian Institute of Mass Communication – iimc.gov.in

Jamia Millia Islamia – (AJK Mass Communication Research Centre)

Banaras Hindu University – bhu.ac.in

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (स्नातक स्तर)।

रोजगार की संभावना:

न्यूज चैनल, अखबार, डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म, रेडियो, फिल्म/टीवी प्रोडक्शन, पब्लिक रिलेशन एजेंसी, सोशल मीडिया कंपनियाँ। प्रारंभिक वेतन ₹15,000–35,000 प्रति माह, अनुभव और पहचान के साथ आय में तेजी से वृद्धि।

आगे के अवसर:

MJMC (Master in Journalism & Mass Communication), फिल्म मेकिंग, डिजिटल कंटेंट क्रिएशन, यूट्यूब/मीडिया स्टार्टअप।

वित्तीय सहायता:

बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप समाज की आवाज बनना, समाचार प्रस्तुत करना या डिजिटल मीडिया में पहचान बनाना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए रचनात्मक और प्रभावशाली करियर का मार्ग खोल सकता है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Fashion Designing (Diploma)।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 26

"(मैट्रिक के बाद – Fashion Designing (Diploma))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि डिज़ाइन, कपड़े, क्रिएटिविटी, स्टाइल और फैशन ट्रेंड्स में है, तो Fashion Designing (Diploma) एक रचनात्मक और तेजी से बढ़ता हुआ करियर विकल्प है। इस कोर्स में फैब्रिक चयन, स्केचिंग, पैटर्न मेकिंग, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, फैशन इलस्ट्रेशन, टेक्सटाइल साइंस, बुटीक मैनेजमेंट आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे आप अपने विचारों को व्यावहारिक उत्पाद में बदलना सीखते हैं।

अर्हता: 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण; रचनात्मक सोच और डिज़ाइन में रुचि आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकतर संस्थानों में डायरेक्ट एडमिशन/मेरिट के आधार पर प्रवेश; जबकि प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश परीक्षा आयोजित होती है।

बिहार के प्रमुख सरकारी/प्रशिक्षण संस्थान:

Bihar Skill Development Mission – कौशल आधारित फैशन/टेक्सटाइल कोर्स

राज्य के पॉलिटेक्निक/महिला प्रशिक्षण संस्थान

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

National Institute of Fashion Technology – nift.ac.in

National Institute of Design – nid.edu

Indian Institute of Handloom Technology – iiht.nic.in

कोर्स अवधि: 1–3 वर्ष (डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अनुसार)।

रोजगार की संभावना: फैशन डिजाइनर, बुटीक मैनेजर, टेक्सटाइल इंडस्ट्री, गारमेंट कंपनियाँ, फैशन हाउस, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म। प्रारंभिक आय ₹15,000–30,000 प्रति माह, अनुभव और ब्रांड वैल्यू के साथ आय में अत्यधिक वृद्धि।

स्व-रोजगार के अवसर: अपना बुटीक/डिज़ाइन स्टूडियो, ऑनलाइन फैशन ब्रांड, कस्टम डिजाइनिंग—कम निवेश में शुरू कर सकते हैं।

आगे के अवसर:

एडवांस फैशन डिजाइनिंग, NIFT/NID से उच्च शिक्षा, फैशन टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल डिजाइन, स्टाइलिंग आदि।

वित्तीय सहायता:

कौशल आधारित प्रशिक्षण हेतु राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं। उच्च शिक्षा के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से सहायता मिल सकती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप रचनात्मक, नवीन सोच वाले हैं और फैशन इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए एक शानदार अवसर प्रदान करता है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : BCA (Bachelor of Computer Applications)। 💻

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

"(मैट्रिक के बाद – Fashion Designing (Diploma))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि कंप्यूटर, प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और आईटी (IT) सेक्टर में है, तो BCA (Bachelor of Computer Applications) एक अत्यंत लोकप्रिय और भविष्य-उन्मुख कोर्स है। इस कोर्स में Programming (C, Java, Python), Database Management, Web Development, Networking, Software Engineering, Cyber Security आदि विषयों का अध्ययन कराया जाता है, जिससे आप आईटी उद्योग के लिए तैयार होते हैं।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (किसी भी संकाय से); कुछ संस्थानों में गणित/कंप्यूटर विषय आवश्यक या वांछनीय।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकांश विश्वविद्यालयों में मेरिट/प्रवेश परीक्षा के आधार पर ऑनलाइन आवेदन द्वारा प्रवेश।

बिहार के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालय:

Patna University – patnauniversity.ac.in
Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University – brabu.net
Nalanda Open University – nalandaopenuniversity.com

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

University of Delhi – du.ac.in
Banaras Hindu University – bhu.ac.in
Jawaharlal Nehru University – jnu.ac.in

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना:

सॉफ्टवेयर डेवलपर, वेब डेवलपर, डेटा एंट्री/डेटाबेस एडमिन, नेटवर्क इंजीनियर, आईटी सपोर्ट, स्टार्टअप सेक्टर। प्रारंभिक वेतन ₹20,000–40,000 प्रति माह, कौशल और अनुभव के साथ तेजी से वृद्धि।

आगे के अवसर:

MCA (Master of Computer Applications), Data Science, Artificial Intelligence, Cyber Security, Cloud Computing जैसे उन्नत क्षेत्रों में विशेषज्ञता।

वित्तीय सहायता:

उच्च शिक्षा के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत सहायता प्राप्त की जा सकती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in उपयोगी मंच है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप आईटी सेक्टर में करियर, अच्छी सैलरी और भविष्य की तकनीकों के साथ काम करना चाहते हैं, तो BCA आपके लिए एक मजबूत और स्मार्ट विकल्प है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Electrician (ITI)। ⚡

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 28

"मैट्रिक के बाद – ITI : Electrician"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि बिजली, वायरिंग, इलेक्ट्रिकल उपकरणों और तकनीकी कार्य में है, तो ITI – Electrician एक अत्यंत लोकप्रिय, व्यावहारिक और रोजगारपरक कोर्स है। इस कोर्स में इलेक्ट्रिकल वायरिंग, मोटर व ट्रांसफॉर्मर, हाउस वायरिंग, इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रिकल सिस्टम, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, फॉल्ट फाइंडिंग और रिपेयरिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। आज हर घर, उद्योग और संस्थान में बिजली से जुड़े कुशल तकनीशियन की आवश्यकता होती है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण; गणित और विज्ञान विषय उपयोगी।

नामांकन प्रक्रिया: ITI ट्रेड्स में प्रवेश राज्य स्तर की मेरिट/ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से होता है। प्रशिक्षण और नामांकन संबंधी जानकारी के लिए Directorate General of Training – dgt.gov.in तथा Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in महत्वपूर्ण पोर्टल हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

राज्य के सभी जिलों में संचालित सरकारी ITI संस्थान

Bihar Skill Development Mission के अंतर्गत प्रशिक्षण केंद्र

कोर्स अवधि: सामान्यतः 2 वर्ष (Electrician ट्रेड)।

रोजगार की संभावना:

इलेक्ट्रिशियन, वायरमैन, इंडस्ट्रियल टेक्नीशियन, पावर प्लांट, कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, रेलवे/सरकारी विभाग (प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से)। प्रारंभिक आय ₹12,000–25,000 प्रति माह, अनुभव के साथ वृद्धि।

स्व-रोजगार के अवसर:

हाउस वायरिंग, रिपेयरिंग सर्विस, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, कॉन्ट्रैक्ट वर्क के माध्यम से अच्छी आय अर्जित की जा सकती है।

आगे के अवसर:

अप्रेंटिसशिप, पॉलिटेक्निक (लेटरल एंट्री), सोलर/इलेक्ट्रिकल एडवांस कोर्स, सरकारी नौकरियों की तैयारी।

वित्तीय सहायता:

तकनीकी शिक्षा हेतु बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) का लाभ लिया जा सकता है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप तकनीकी कार्य में रुचि रखते हैं और जल्दी रोजगार या स्वयं का काम शुरू करना चाहते हैं, तो Electrician ट्रेड आपके लिए एक सुरक्षित और स्थायी करियर विकल्प है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : B.Sc (Physics/Chemistry/Mathematics)। 🔬📘

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 29

"(इंटरमीडिएट के बाद – B.Sc (Physics/Chemistry/Mathematics))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि विज्ञान, शोध (Research), विश्लेषणात्मक सोच और अकादमिक क्षेत्र में है, तो B.Sc (Physics/Chemistry/Mathematics) एक मजबूत और बहुआयामी स्नातक कोर्स है। इस कोर्स में भौतिकी (Mechanics, Electricity, Optics), रसायन (Organic, Inorganic, Physical Chemistry), गणित (Algebra, Calculus, Statistics) जैसे विषयों का गहन अध्ययन कराया जाता है, जो आगे उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की ठोस नींव तैयार करता है।

अर्हता: 12वीं (Science) – Physics, Chemistry, Mathematics के साथ उत्तीर्ण; सामान्यत: 45–50% अंक आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकांश विश्वविद्यालयों में मेरिट/प्रवेश परीक्षा के आधार पर ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्रवेश।

बिहार के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालय:

Patna University – patnauniversity.ac.in

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University – brabu.net

Magadh University – magadhuniversity.ac.in

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

University of Delhi – du.ac.in

Banaras Hindu University – bhu.ac.in

Indian Institute of Science Bangalore – iisc.ac.in

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (NEP-2020 के अंतर्गत 4-वर्षीय विकल्प भी उपलब्ध)।

रोजगार की संभावना:

शिक्षण (Teacher), रिसर्च असिस्टेंट, लैब टेक्नीशियन, डेटा एनालिस्ट, बैंकिंग/SSC/अन्य प्रतियोगी परीक्षाएँ। प्रारंभिक वेतन ₹20,000–40,000 प्रति माह, उच्च शिक्षा के बाद बेहतर अवसर।

आगे के अवसर:

M.Sc, PhD, रिसर्च, NET/JRF, इंजीनियरिंग/आईटी/डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में बदलाव की संभावना।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से उच्च शिक्षा हेतु सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप विज्ञान के गहरे अध्ययन, शोध और शिक्षण क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो B.Sc (PCM) आपके लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

अगले पत्र में – **मैट्रिक के बाद : Beautician & Wellness Course

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 30

"(मैट्रिक के बाद – Beautician & Wellness Course)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,,

यदि आपकी रुचि सौंदर्य, स्किन-केयर, हेयर-स्टाइलिंग, मेकअप और पर्सनल ग्रूमिंग में है, तो Beautician & Wellness Course एक तेज़ी से बढ़ता हुआ, कम लागत में शुरू होने वाला और उच्च आय देने वाला करियर विकल्प है। इस कोर्स में फेशियल, हेयर कट/कलर, मेकअप आर्ट, स्किन ट्रीटमेंट, स्पा थेरेपी, नेल आर्ट, ब्राइडल मेकअप आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। आजकल यह क्षेत्र शहरी ही नहीं, बल्कि बिहार के छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से विकसित हो रहा है।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; किसी विशेष विषय की अनिवार्यता नहीं।

नामांकन प्रक्रिया:

सरकारी/मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्रों में डायरेक्ट एडमिशन या स्किल पोर्टल के माध्यम से आवेदन। जानकारी के लिए Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in तथा National Skill Development Corporation – nsdcindia.org देखें।

बिहार के प्रमुख सरकारी/अर्ध-सरकारी प्रशिक्षण मंच:

Bihar Skill Development Mission – skillmissionbihar.org

Jan Shikshan Sansthan – jss.gov.in

देश के प्रमुख संस्थान/ट्रेनिंग नेटवर्क:

National Skill Training Institutes

Central Government Skill Centres (PMKVY के अंतर्गत)

कोर्स अवधि: 3 महीने से 1 वर्ष (कोर्स स्तर के अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

ब्यूटी पार्लर, सैलून, स्पा, होटल/रिसॉर्ट, फिल्म/फैशन इंडस्ट्री। प्रारंभिक आय ₹10,000–25,000 प्रति माह, अनुभव और विशेषज्ञता के साथ ₹50,000+ तक।

स्व-रोजगार के अवसर:

आप अपना ब्यूटी पार्लर/होम सर्विस शुरू कर सकते हैं, जिसमें कम निवेश में अच्छी कमाई संभव है।

आगे के अवसर: एडवांस मेकअप, कॉस्मेटोलॉजी, स्किन थेरेपी, इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन कोर्स।

वित्तीय सहायता: कई कोर्स PMKVY (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के तहत निःशुल्क/कम शुल्क में उपलब्ध हैं। इसके अलावा बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड (drcc.bihar.gov.in) तथा National Scholarship Portal – scholarships.gov.in से सहायता मिल सकती है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता और जल्दी आय चाहते हैं, तो Beautician & Wellness कोर्स एक उत्कृष्ट और व्यावहारिक विकल्प है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : B.Com (Bachelor of Commerce)। 📊

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 31

(इंटरमीडिएट के बाद – B.Com (Bachelor of Commerce) – उन्नत दृष्टिकोण)

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आप व्यापार, अकाउंटिंग, टैक्सेशन, बैंकिंग और वित्तीय प्रबंधन में गहराई से करियर बनाना चाहते हैं, तो B.Com केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि कॉर्पोरेट और प्रोफेशनल कोर्स (CA/CS/CMA) की मजबूत नींव है। इस कोर्स में Financial Accounting, Cost Accounting, Business Law, Income Tax, Auditing, Economics, E-Commerce आदि विषय पढ़ाए जाते हैं, जो आपको व्यापारिक दुनिया के लिए तैयार करते हैं।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (Commerce वरीय, परंतु अन्य संकाय भी पात्र); सामान्यतः 45–50% अंक आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकांश विश्वविद्यालयों में मेरिट आधारित ऑनलाइन प्रवेश; कुछ संस्थान प्रवेश परीक्षा भी लेते हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालय:
Patna University – patnauniversity.ac.in
Magadh University – magadhuniversity.ac.in
Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University – brabu.net

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:
University of Delhi – du.ac.in
Banaras Hindu University – bhu.ac.in
Aligarh Muslim University – amu.ac.in

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (NEP-2020 के अंतर्गत 4-वर्षीय विकल्प उपलब्ध)।

करियर एवं रोजगार की संभावना: अकाउंटेंट, टैक्स कंसल्टेंट, बैंकिंग प्रोफेशनल, ऑडिटर, फाइनेंस एग्जीक्यूटिव, सरकारी नौकरियाँ (Bank/SSC/BPSC)। प्रारंभिक वेतन ₹20,000–40,000 प्रति माह, प्रोफेशनल कोर्स के साथ ₹50,000+ तक।

विशेष करियर मार्ग:
CA (Chartered Accountant)
CS (Company Secretary)
CMA (Cost & Management Accountant)

आगे के अवसर: M.Com, MBA (Finance), Banking & Insurance, Data Analytics in Finance।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से उच्च शिक्षा हेतु सहायता मिलती है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप फाइनेंस, अकाउंटिंग या कॉर्पोरेट सेक्टर में विशेषज्ञ बनना चाहते हैं, तो B.Com के साथ प्रोफेशनल कोर्स जोड़ना आपके करियर को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकता है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Plumbing (ITI/Skill Course)।

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 32

"(मैट्रिक के बाद – Plumbing (ITI/Skill Course))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि निर्माण कार्य (Construction), पाइपलाइन, जल आपूर्ति प्रणाली और तकनीकी कार्य में है, तो Plumbing (ITI/Skill Course) एक अत्यंत उपयोगी, मांग वाला और स्थायी रोजगार देने वाला कोर्स है। इस कोर्स में पाइप फिटिंग, वाटर सप्लाई सिस्टम, सैनिटेशन, ड्रेनेज सिस्टम, बाथरूम/किचन इंस्टॉलेशन, लीकेज रिपेयर, ब्लूप्रिंट रीडिंग आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; तकनीकी कार्य में रुचि आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया:

ITI एवं स्किल कोर्स में प्रवेश मेरिट/डायरेक्ट एडमिशन के आधार पर होता है। प्रशिक्षण और नामांकन संबंधी जानकारी के लिए Directorate General of Training – dgt.gov.in तथा Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in उपयोगी पोर्टल हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

सभी जिलों में संचालित सरकारी ITI संस्थान

Bihar Skill Development Mission के प्रशिक्षण केंद्र

कोर्स अवधि: 6 माह से 1 वर्ष (सर्टिफिकेट/ITI ट्रेड अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, बिल्डिंग प्रोजेक्ट, नगर निगम, होटल/हॉस्पिटल मेंटेनेंस, इंडस्ट्रियल प्लांट। प्रारंभिक आय ₹12,000–25,000 प्रति माह, अनुभव के साथ ₹30,000+।

स्व-रोजगार के अवसर:

घर-घर प्लंबिंग सर्विस, कॉन्ट्रैक्ट वर्क, बिल्डिंग इंस्टॉलेशन प्रोजेक्ट—कम निवेश में अच्छी आय संभव।

आगे के अवसर:

एडवांस सैनिटरी इंजीनियरिंग, सुपरवाइजर/कॉन्ट्रैक्टर, विदेशों (Gulf देशों) में उच्च वेतन पर अवसर।

वित्तीय सहायता:

कई स्किल कोर्स PMKVY के तहत नि:शुल्क/कम शुल्क में उपलब्ध हैं। बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से भी सहायता मिल सकती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in देखें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप हाथ से काम करने, तकनीकी कौशल सीखने और जल्दी आय शुरू करने की सोच रखते हैं, तो Plumbing कोर्स आपके लिए एक स्थायी और लाभकारी विकल्प है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : B.Sc IT (Information Technology)।

...........✍

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 33

"(इंटरमीडिएट के बाद – B.Sc IT (Information Technology))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

डिजिटल युग में सूचना प्रौद्योगिकी (IT), डेटा, सॉफ्टवेयर और नेटवर्किंग का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। यदि आपकी रुचि कंप्यूटर सिस्टम, प्रोग्रामिंग, नेटवर्क, साइबर सुरक्षा और डेटा मैनेजमेंट में है, तो B.Sc IT (Information Technology) एक उत्कृष्ट और भविष्य-उन्मुख स्नातक कोर्स है। इसमें Programming (Python/Java), Database, Networking, Web Development, Cloud Computing, Cyber Security जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है, जिससे आप आईटी उद्योग के लिए तैयार होते हैं।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (Science/Commerce); कुछ संस्थानों में गणित/कंप्यूटर विषय आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकतर विश्वविद्यालयों में मेरिट/प्रवेश परीक्षा के आधार पर ऑनलाइन आवेदन से प्रवेश।

बिहार के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालय:
Patna University – patnauniversity.ac.in
Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University – brabu.net
Nalanda Open University – nalandaopenuniversity.com

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:
University of Delhi – du.ac.in
Banaras Hindu University – bhu.ac.in
Jawaharlal Nehru University – jnu.ac.in

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना:
IT कंपनियाँ, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, वेब/ऐप डेवलपमेंट, नेटवर्क एडमिन, साइबर सिक्योरिटी, डेटा एनालिस्ट। प्रारंभिक वेतन ₹20,000–45,000 प्रति माह, अनुभव के साथ तेजी से वृद्धि।

आगे के अवसर:
M.Sc IT, MCA, Data Science, Artificial Intelligence, Cyber Security, Cloud Computing जैसे उन्नत क्षेत्रों में विशेषज्ञता।

वित्तीय सहायता:
उच्च शिक्षा के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) का लाभ लिया जा सकता है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर और डिजिटल दुनिया में करियर बनाना चाहते हैं, तो B.Sc IT आपके लिए एक स्मार्ट और सुरक्षित विकल्प है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Carpentry (Wood Work Skill Course)। 🪚

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 34

"(मैट्रिक के बाद – Carpentry (Wood Work Skill Course))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि लकड़ी के काम, फर्नीचर निर्माण, डिज़ाइन और हस्तकला में है, तो Carpentry (Wood Work Skill Course) एक पारंपरिक होते हुए भी आधुनिक और आय-सृजन करने वाला कौशल आधारित कोर्स है। इस कोर्स में वुड कटिंग, फर्नीचर डिजाइन, दरवाजा-खिड़की निर्माण, पॉलिशिंग, मशीन टूल्स का उपयोग, इंटीरियर वर्क आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। आजकल मॉड्यूलर फर्नीचर और इंटीरियर डिजाइन की मांग तेजी से बढ़ रही है।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; रचनात्मकता और हाथ से काम करने की रुचि आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया:

ITI एवं स्किल कोर्स में डायरेक्ट एडमिशन/मेरिट के आधार पर प्रवेश। प्रशिक्षण संबंधी जानकारी के लिए Directorate General of Training – dgt.gov.in तथा Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in देखें।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

राज्य के विभिन्न सरकारी ITI संस्थान

Bihar Skill Development Mission के प्रशिक्षण केंद्र

कोर्स अवधि: 6 माह से 1 वर्ष (सर्टिफिकेट/ITI ट्रेड अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

फर्नीचर वर्कशॉप, कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, इंटीरियर डिजाइन फर्म, होटल/ऑफिस मेंटेनेंस। प्रारंभिक आय ₹12,000–25,000 प्रति माह, अनुभव के साथ वृद्धि।

स्व-रोजगार के अवसर:

अपनी फर्नीचर वर्कशॉप, कस्टम फर्नीचर निर्माण, मॉड्यूलर किचन/इंटीरियर कार्य—कम लागत में शुरू कर उच्च आय संभव।

आगे के अवसर:

एडवांस वुड टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाइनिंग, कॉन्ट्रैक्टर/सुपरवाइजर के रूप में कार्य, विदेशों में भी अवसर।

वित्तीय सहायता:

कई स्किल कोर्स PMKVY के अंतर्गत नि:शुल्क/कम शुल्क में उपलब्ध हैं। बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से भी सहायता ली जा सकती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप रचनात्मकता के साथ हाथ से काम करना पसंद करते हैं और अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो Carpentry कोर्स आपके लिए एक स्थायी और लाभकारी विकल्प है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : Bachelor in Hotel Management (BHM)। 🏨

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 35

(इंटरमीडिएट के बाद – Bachelor in Hotel Management (BHM))

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि हॉस्पिटैलिटी, पर्यटन, होटल संचालन, कुकिंग, सर्विस और मैनेजमेंट में है, तो Bachelor in Hotel Management (BHM) एक प्रोफेशनल और ग्लोबल करियर विकल्प है। इस कोर्स में Food Production, Front Office Management, Housekeeping, Food & Beverage Service, Hospitality Marketing, Event Management, Communication Skills आदि का समग्र प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे आप होटल और पर्यटन उद्योग के लिए तैयार होते हैं।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (किसी भी संकाय से); अच्छे कम्युनिकेशन स्किल और व्यक्तित्व महत्वपूर्ण।

नामांकन प्रक्रिया:

प्रमुख सरकारी संस्थानों में प्रवेश हेतु National Testing Agency द्वारा आयोजित NCHM JEE के माध्यम से नामांकन (nchmjee.nta.nic.in)। अन्य विश्वविद्यालय मेरिट/अपनी परीक्षा के आधार पर प्रवेश देते हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Institute of Hotel Management Hajipur

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Institute of Hotel Management Pusa
Institute of Hotel Management Mumbai
Institute of Hotel Management Bangalore

कोर्स अवधि: 3–4 वर्ष (डिग्री स्तर)।

रोजगार की संभावना:

होटल, रिसॉर्ट, एयरलाइन कैटरिंग, क्रूज, इवेंट मैनेजमेंट, टूरिज्म कंपनियाँ, इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री। प्रारंभिक वेतन ₹20,000–40,000 प्रति माह, विदेशों में अधिक अवसर और आय।

आगे के अवसर:

MBA (Hospitality), इंटरनेशनल होटल मैनेजमेंट, क्रूज लाइन जॉब, स्वयं का होटल/रेस्टोरेंट/ कैफे व्यवसाय।

वित्तीय सहायता:

बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप ग्लोबल करियर, बेहतर व्यक्तित्व विकास और सर्विस इंडस्ट्री में तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं, तो BHM आपके लिए एक आकर्षक और अवसरों से भरा विकल्प है।

....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 36

"(मैट्रिक के बाद – Welder (ITI/Skill Course))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि मशीन, धातु (Metal), निर्माण कार्य और तकनीकी कौशल में है, तो Welder (ITI/Skill Course) एक अत्यंत मांग वाला और रोजगारपरक विकल्प है। इस कोर्स में आर्क वेल्डिंग, गैस वेल्डिंग, MIG/TIG वेल्डिंग, मेटल कटिंग, ब्लूप्रिंट रीडिंग, सेफ्टी मेजर्स आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। उद्योग, निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर के हर क्षेत्र में कुशल वेल्डर की आवश्यकता रहती है।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; शारीरिक फिटनेस और तकनीकी कार्य में रुचि आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया:

ITI एवं स्किल कोर्स में प्रवेश मेरिट/डायरेक्ट एडमिशन के आधार पर होता है। प्रशिक्षण संबंधी जानकारी के लिए Directorate General of Training – dgt.gov.in तथा Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in देखें।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

राज्य के सभी जिलों में संचालित सरकारी ITI संस्थान

Bihar Skill Development Mission के प्रशिक्षण केंद्र

कोर्स अवधि: 6 माह से 1 वर्ष (सर्टिफिकेट/ITI ट्रेड अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, रेलवे वर्कशॉप, शिपयार्ड, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री। प्रारंभिक आय ₹12,000–25,000 प्रति माह, अनुभव के साथ ₹30,000–50,000+ तक।

स्व-रोजगार के अवसर:

वेल्डिंग वर्कशॉप, फेब्रिकेशन यूनिट, गेट/ग्रिल निर्माण—कम निवेश में शुरू कर अच्छी आय संभव।

आगे के अवसर:

एडवांस वेल्डिंग (Underwater/Industrial), सुपरवाइजर/फोरमैन, विदेशों (Gulf देशों) में उच्च वेतन वाली नौकरियाँ।

वित्तीय सहायता:

कई स्किल कोर्स PMKVY के अंतर्गत नि:शुल्क/कम शुल्क में उपलब्ध हैं। बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) से भी सहायता मिल सकती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप तकनीकी कौशल के साथ जल्दी रोजगार और विदेश में अवसर चाहते हैं, तो Welder ट्रेड आपके लिए एक मजबूत और स्थायी करियर विकल्प है।

अगले पत्र में – �इंटरमीडिएट के बाद : Bachelor of Design (B.Des)। 🎨

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 37

(इंटरमीडिएट के बाद – Bachelor of Design (B.Des))

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि डिज़ाइन, क्रिएटिविटी, इनोवेशन, प्रोडक्ट डेवलपमेंट और यूज़र एक्सपीरियंस में है, तो Bachelor of Design (B.Des) एक अत्यंत आधुनिक और तेजी से उभरता हुआ करियर विकल्प है। इस कोर्स में Product Design, Fashion Design, Graphic Design, UI/UX Design, Animation, Visual Communication, Design Thinking आदि विषयों का अध्ययन कराया जाता है, जिससे आप रचनात्मक विचारों को उपयोगी उत्पाद/सेवा में बदलना सीखते हैं।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (किसी भी संकाय से); रचनात्मक सोच और डिज़ाइन में रुचि आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया:

प्रमुख संस्थानों में प्रवेश हेतु डिज़ाइन एंट्रेंस एग्जाम (जैसे NIFT/NID) देना होता है। आवेदन और जानकारी संबंधित संस्थानों की वेबसाइट पर उपलब्ध रहती है।

बिहार के विकल्प (संबद्ध/प्रशिक्षण):

Aryabhatta Knowledge University (संबद्ध कॉलेज)

Bihar Skill Development Mission (डिज़ाइन/क्रिएटिव स्किल कोर्स)

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

National Institute of Design – nid.edu

National Institute of Fashion Technology – nift.ac.in

Indian Institute of Technology Bombay (Design Program – IDC School)

कोर्स अवधि: 4 वर्ष (डिग्री स्तर)।

रोजगार की संभावना:

डिज़ाइन स्टूडियो, IT कंपनियाँ (UI/UX), फैशन इंडस्ट्री, एडवरटाइजिंग एजेंसी, एनीमेशन/गेमिंग, प्रोडक्ट कंपनियाँ। प्रारंभिक वेतन ₹25,000–60,000 प्रति माह, अनुभव और पोर्टफोलियो के आधार पर अधिक।

स्व-रोजगार के अवसर:

फ्रीलांस डिजाइनिंग, स्टार्टअप, ब्रांड/प्रोडक्ट डिजाइन, ऑनलाइन क्रिएटिव सर्विस—उच्च आय की संभावना।

आगे के अवसर:

M.Des, UI/UX स्पेशलाइजेशन, इंटरनेशनल डिजाइन कोर्स, स्टार्टअप/इनोवेशन प्रोजेक्ट।

वित्तीय सहायता:

बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप रचनात्मकता के साथ तकनीक और नवाचार को जोड़कर करियर बनाना चाहते हैं, तो B.Des आपके लिए अत्यंत आकर्षक और भविष्य-सुरक्षित विकल्प है।

अगले पत्र में – �मैट्रिक के बाद : Painter (Building & Industrial Painting)। 🎨🏠

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 38

"(मैट्रिक के बाद – Painter (Building & Industrial Painting))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि रंग, डिजाइन, सजावट (Decoration), भवन सौंदर्यीकरण और इंडस्ट्रियल कोटिंग में है, तो Painter (Building & Industrial Painting) एक व्यावहारिक, कम समय में रोजगार देने वाला और निरंतर मांग वाला कौशल आधारित कोर्स है। इस प्रशिक्षण में वॉल पेंटिंग, टेक्सचर/डेकोरेटिव फिनिश, पुट्टी-प्राइमर एप्लिकेशन, स्प्रे पेंटिंग, इंडस्ट्रियल कोटिंग, कलर मिक्सिंग, सेफ्टी स्टैंडर्ड्स आदि सिखाए जाते हैं—जो निर्माण व रखरखाव दोनों क्षेत्रों में काम आते हैं।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; हाथ से काम करने की रुचि और रंगों की समझ लाभकारी।

नामांकन प्रक्रिया:

ITI/स्किल कोर्स में प्रवेश मेरिट/डायरेक्ट एडमिशन से होता है। अधिकृत प्रशिक्षण व प्रमाणन की जानकारी हेतु Directorate General of Training – dgt.gov.in तथा Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in देखें।

बिहार के प्रमुख सरकारी प्रशिक्षण मंच:

सभी जिलों के सरकारी ITI संस्थान

Bihar Skill Development Mission के केंद्र (शॉर्ट-टर्म स्किल कोर्स)

कोर्स अवधि: 3–6 माह (शॉर्ट-टर्म) या 1 वर्ष (ITI ट्रेड/एडवांस मॉड्यूल)।

रोजगार की संभावना:

कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, बिल्डिंग प्रोजेक्ट, इंटीरियर डिजाइन फर्म, इंडस्ट्रियल प्लांट, पेंट/कोटिंग सर्विस एजेंसियाँ। प्रारंभिक आय ₹10,000–22,000 प्रति माह; कुशल/कॉन्ट्रैक्ट कार्य में आय ₹25,000–40,000+ तक।

स्व-रोजगार के अवसर:

घर-घर पेंटिंग सर्विस, टेक्सचर/डेकोरेटिव वर्क, कॉन्ट्रैक्ट प्रोजेक्ट—कम निवेश में टीम बनाकर उच्च आय संभव।

आगे के अवसर:

इंडस्ट्रियल पेंटिंग (हेवी कोटिंग), सुपरवाइजर/कॉन्ट्रैक्टर, इंटीरियर-फिनिशिंग विशेषज्ञ; विदेशों (Gulf देशों) में भी मांग।

वित्तीय सहायता:

कई कोर्स PMKVY के अंतर्गत निःशुल्क/कम शुल्क पर उपलब्ध हैं। उच्चतर तकनीकी प्रशिक्षण हेतु बिहार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) का लाभ लिया जा सकता है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in उपयोगी है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप कम समय में कौशल सीखकर तुरंत काम/कॉन्ट्रैक्ट लेना चाहते हैं और आगे अपना सर्विस बिज़नेस खड़ा करना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए व्यावहारिक व लाभकारी विकल्प है।

अगले पत्र में – �इंटरमीडिएट के बाद : BBA (Bachelor of Business Administration)। 📈

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 39

(इंटरमीडिएट के बाद – BBA (Bachelor of Business Administration))

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि प्रबंधन (Management), बिज़नेस, उद्यमिता (Entrepreneurship), मार्केटिंग और लीडरशिप में है, तो BBA (Bachelor of Business Administration) एक अत्यंत उपयोगी और करियर-उन्मुख कोर्स है। इसमें Principles of Management, Marketing, Human Resource, Finance, Business Communication, Entrepreneurship Development जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं, जो आपको कॉर्पोरेट और स्टार्टअप दुनिया के लिए तैयार करते हैं।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (किसी भी संकाय से); कम्युनिकेशन स्किल और नेतृत्व क्षमता लाभकारी।

नामांकन प्रक्रिया:

अधिकांश विश्वविद्यालयों में मेरिट/प्रवेश परीक्षा के आधार पर ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्रवेश। कुछ संस्थान ग्रुप डिस्कशन/इंटरव्यू भी लेते हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी/संबद्ध संस्थान:

Patna University

Aryabhatta Knowledge University (संबद्ध कॉलेज)

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Delhi University – du.ac.in

Banaras Hindu University – bhu.ac.in

Indian Institute of Management Indore (IPM Program)

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना:

कॉर्पोरेट कंपनियाँ, बैंकिंग, मार्केटिंग, HR, सेल्स, स्टार्टअप, ई-कॉमर्स सेक्टर। प्रारंभिक वेतन ₹20,000–40,000 प्रति माह, अनुभव और कौशल के साथ वृद्धि।

आगे के अवसर:

MBA (Master of Business Administration), स्टार्टअप, फाइनेंस/मार्केटिंग/HR में विशेषज्ञता, सिविल सेवा/अन्य प्रतियोगी परीक्षाएँ।

स्व-रोजगार के अवसर:

स्टार्टअप, ऑनलाइन बिज़नेस, फ्रेंचाइज़ी मॉडल, सर्विस सेक्टर—बिज़नेस आइडिया के आधार पर उच्च आय संभव।

वित्तीय सहायता:

बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के तहत उच्च शिक्षा के लिए सहायता मिलती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप मैनेजमेंट स्किल विकसित कर कॉर्पोरेट या स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो BBA आपके लिए एक मजबूत और बहुआयामी करियर विकल्प है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Mason (Building Construction Skill Course)

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 40

"शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य – प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा (D.El.Ed)"
'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

शिक्षण एक ऐसा पेशा है जो न केवल आपको रोजगार देता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर भी प्रदान करता है। यदि आप बच्चों को पढ़ाने में रुचि रखते हैं और इंटरमीडिएट के बाद जल्द से जल्द सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, तो D.El.Ed (Diploma in Elementary Education) आपके लिए सबसे उपयुक्त मार्ग है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

D.El.Ed दो वर्षीय पेशेवर डिप्लोमा कोर्स है। इसके माध्यम से आप प्राथमिक (कक्षा 1 से 5) और मध्य विद्यालयों (कक्षा 6 से 8) में शिक्षक बनने के योग्य हो जाते हैं।

- **अर्हता: इंटरमीडिएट (12वीं) में किसी भी संकाय (कला/विज्ञान/वाणिज्य) से कम से कम 50% अंक (आरक्षित वर्गों के लिए 45%) होना अनिवार्य है।**

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में सरकारी और निजी संस्थानों में नामांकन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) द्वारा आयोजित 'D.El.Ed Joint Entrance Test' के आधार पर होता है।

- **प्रमुख संस्थान: बिहार के प्रत्येक जिले में स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (PTEC) और मान्यता प्राप्त निजी कॉलेज।**
- **नामांकन प्रक्रिया: प्रवेश परीक्षा के मेधा सूची (Merit List) के आधार पर काउंसलिंग होती है और कॉलेज आवंटित किए जाते हैं।**
- **वेबसाइट: deled.biharboardonline.com**

3. कोर्स का फ्यूचर एवं रोजगार की संभावना:

बिहार सरकार द्वारा हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर शिक्षकों की भर्ती की गई है।

- **यह कोर्स पूरा करने के बाद आपको CTET (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा) या BTET (बिहार शिक्षक पात्रता परीक्षा) उत्तीर्ण करनी होगी।**
- **इसके बाद आप बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) द्वारा आयोजित शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में शामिल होकर स्थायी सरकारी शिक्षक बन सकते हैं।**
- **प्राइवेट स्कूलों में भी ट्रेंड शिक्षकों की भारी मांग रहती है और मानदेय आकर्षक होता है।**

4. वित्तीय सहायता:

- **बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: इस कोर्स के लिए भी बिहार सरकार द्वारा स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण की सुविधा उपलब्ध है, जिससे आप निजी कॉलेजों की फीस आसानी से भर सकते हैं।**
- **छात्रवृत्ति: बिहार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।**
- **वेबसाइट: pmsonline.bih.nic.in**

मेरी सलाह: यदि आप धैर्यवान हैं और समाज में सम्मानजनक स्थान पाना चाहते हैं, तो शिक्षक प्रशिक्षण के इस कोर्स को प्राथमिकता दें।

...........✍

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 41

"छोटे बच्चों के शिक्षक बनें – नर्सरी टीचर ट्रेनिंग (NTT) में कैरियर"

'संपादकीय'

मेरे प्रिय विद्यार्थियों,

कल के पत्र में हमने इंटरमीडिएट के बाद शिक्षक बनने की प्रक्रिया (D.El.Ed) को समझा था। आज का यह पत्र विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए है जिन्होंने अभी-अभी मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है और शिक्षा के क्षेत्र में अपना शुरुआती कदम रखना चाहते हैं। छोटे बच्चों की शिक्षा और उनके विकास में रुचि रखने वालों के लिए नर्सरी टीचर ट्रेनिंग (NTT) एक बेहतरीन विकल्प है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

NTT एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स है जो शिक्षकों को पूर्व-प्राथमिक (Pre-Primary) स्तर के बच्चों (नर्सरी, LKG, UKG) को पढ़ाने के लिए तैयार करता है।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण। कुछ संस्थानों में इसके लिए 12वीं की मांग की जाती है, लेकिन कई व्यावसायिक संस्थान मैट्रिक के बाद सर्टिफिकेट कोर्स का अवसर देते हैं।
- अवधि: यह कोर्स 1 वर्ष (सर्टिफिकेट) या 2 वर्ष (डिप्लोमा) का हो सकता है।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में कई सरकारी और निजी व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र NTT का कोर्स कराते हैं।

- नामांकन: अधिकांश संस्थानों में नामांकन सीधे अंकों के आधार पर या छोटे स्तर की प्रवेश परीक्षा द्वारा होता है।
- प्रमुख संस्थान: इग्नू (IGNOU) के क्षेत्रीय केंद्र, बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड (विशिष्ट श्रेणी के लिए), और विभिन्न महिला आईटीआई (ITI) व व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान।
- वेबसाइट: ignou.ac.in (IGNOU का 'Diploma in Early Childhood Care and Education' सबसे प्रामाणिक माना जाता है)।

3. कोर्स का फ्यूचर एवं रोजगार की संभावना:

नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के लागू होने के बाद पूर्व-प्राथमिक शिक्षा पर बहुत जोर दिया जा रहा है।

- निजी क्षेत्र: निजी स्कूलों, प्ले-स्कूल्स और किंडरगार्टन में नर्सरी शिक्षकों की अनिवार्य मांग होती है।
- सरकारी क्षेत्र: एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में 'बाल शिक्षा' को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों को प्राथमिकता दी जा रही है।
- स्वरोजगार: अपना स्वयं का प्ले-स्कूल या क्रेच (Creche) शुरू करने के लिए यह कोर्स बहुत मददगार है।

4. वित्तीय सहायता एवं छात्रवृत्ति:

- कौशल विकास योजनाएं: बिहार सरकार की 'कुशल युवा कार्यक्रम' (KYP) और 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' के तहत संचालित कुछ केंद्रों में इस तरह के वोकेशनल कोर्सेज के लिए वित्तीय छूट मिलती है।
- छात्रवृत्ति: आरक्षित वर्ग के मेधावी छात्र राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) के माध्यम से वोकेशनल कोर्सेज के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- वेबसाइट: scholarships.gov.in

मेरी सलाह: यदि आपको बच्चों के साथ समय बिताना और उन्हें रचनात्मक तरीके से सिखाना अच्छा लगता है, तो नर्सरी टीचर ट्रेनिंग आपके लिए स्वावलंबन का एक शानदार माध्यम बन सकता है।

कल के पत्र (संख्या 32) में हम इंटरमीडिएट के बाद 'फोरेंसिक साइंस और साइबर सुरक्षा' जैसे आधुनिक और रोमांचक क्षेत्र के बारे में चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक !

....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अपराध अन्वेषण और डिजिटल सुरक्षा – फोरेंसिक साइंस और साइबर सिक्योरिटी में कैरियर

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

आज के दौर में जैसे-जैसे तकनीक बढ़ रही है, अपराधों का स्वरूप भी बदल रहा है। अब अपराधी केवल सड़कों पर नहीं, बल्कि कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से भी सक्रिय हैं। यदि आपको रहस्य सुलझाना, जासूसी करना या नई तकनीक के माध्यम से सच का पता लगाना पसंद है, तो फोरेंसिक साइंस और साइबर सुरक्षा आपके लिए एक रोमांचक और उच्च वेतन वाला कैरियर विकल्प हो सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

- B.Sc in Forensic Science: इसमें अपराध स्थल से साक्ष्य जुटाने, फिंगरप्रिंट विश्लेषण और डीएनए टेस्ट जैसे विषयों को पढ़ाया जाता है। (पात्रता: इंटरमीडिएट विज्ञान - PCB/PCM)।
- Cyber Security / Ethical Hacking: इसमें कंप्यूटर सिस्टम को हैकर्स से बचाने और डिजिटल डेटा की सुरक्षा करना सिखाया जाता है। (पात्रता: इंटरमीडिएट किसी भी संकाय से, लेकिन गणित/कंप्यूटर विषय वालों को प्राथमिकता)।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार और भारत के प्रमुख संस्थानों में प्रवेश के लिए अक्सर प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

- प्रमुख संस्थान: राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU), पसवा (बिहार कैंपस प्रस्तावित), और नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (NFSU)। बिहार के कुछ विश्वविद्यालयों में भी वोकेशनल कोर्स के रूप में इसकी शुरुआत हुई है।
- नामांकन: NFAT (National Forensic Admission Test) जैसी परीक्षाओं के माध्यम से।
- वेबसाइट: nfsu.ac.in और rru.ac.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस क्षेत्र के विशेषज्ञों की मांग सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में बहुत तेजी से बढ़ रही है:

- सरकारी क्षेत्र: स्टेट फॉरेंसिक लैब (बिहार), CBI, IB, पुलिस विभाग (साइबर सेल) और बैंकों में 'साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ' के रूप में।
- निजी क्षेत्र: बड़ी आईटी कंपनियां, डेटा सुरक्षा एजेंसियां और बीमा कंपनियों में जाँच अधिकारी के रूप में। इसमें शुरुआती वेतन ₹40,000 से ₹80,000 प्रति माह तक हो सकता है।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: चूंकि ये कोर्सेज तकनीकी और व्यावसायिक श्रेणी में आते हैं, इसलिए बिहार सरकार इसके लिए ₹4 लाख तक का ऋण प्रदान करती है।
- स्कॉलरशिप: केंद्र सरकार की 'साइबर सुरक्षा स्कॉलरशिप' और राज्य सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा सहायता दी जाती है।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: डिजिटल युग में डेटा ही सबसे बड़ी शक्ति है। यदि आप लीक से हटकर कुछ चुनौतीपूर्ण करना चाहते हैं, तो इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करें।

कल के पत्र (संख्या 43) में हम मैट्रिक के बाद 'इलेक्ट्रिकल और होम अप्लायंसेज रिपेयरिंग' जैसे कौशल आधारित स्वरोजगार कोर्सेज पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 43

हुनर से रोजगार – इलेक्ट्रिकल और होम अप्लायंसेज रिपेयरिंग में कैरियर

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

आज के आधुनिक युग में शायद ही कोई ऐसा घर होगा जहाँ बिजली के उपकरण जैसे—फ्रिज, वॉशिंग मशीन, मिक्सर ग्राइंडर, एयर कंडीशनर (AC) या पंखे का उपयोग न होता हो। जैसे-जैसे इन उपकरणों का उपयोग बढ़ रहा है, इन्हें ठीक करने वाले कुशल मैकेनिकों की मांग भी बढ़ती जा रही है। यदि आपने अभी-अभी मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है और आप कम समय में एक ऐसा हुनर सीखना चाहते हैं जिससे आप स्वयं का मालिक बन सकें, तो यह क्षेत्र आपके लिए सर्वोत्तम है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

यह एक पूर्णतः कौशल आधारित (Skill-based) कोर्स है। इसमें बिजली की वायरिंग से लेकर आधुनिक घरेलू उपकरणों की मरम्मत (Repairing) और रखरखाव (Maintenance) सिखाया जाता है।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण।
- अवधि: 3 महीने से लेकर 1 वर्ष तक (कोर्स के प्रकार पर निर्भर)।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में इस हुनर को सीखने के लिए कई सरकारी रास्ते उपलब्ध हैं:

- बिहार कौशल विकास मिशन (BSDM): 'कुशल युवा कार्यक्रम' और 'मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना' के तहत विभिन्न केंद्रों पर निःशुल्क या बहुत कम शुल्क पर प्रशिक्षण दिया जाता है।
- महिला एवं पुरुष आईटीआई (ITI): 'इलेक्ट्रिशियन' या 'कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स' ट्रेड में नामांकन ले सकते हैं।
- जन शिक्षण संस्थान (JSS): यह भारत सरकार की पहल है जो ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे वोकेशनल कोर्स कराती है।
- वेबसाइट: skillmissionbihar.org और jss.nic.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस कोर्स को करने के बाद रोजगार के अनेक द्वार खुलते हैं:

- कंपनियों में नौकरी: सैमसंग, एलजी, वोल्टास जैसी कंपनियों के सर्विस सेंटर में 'सर्विस इंजीनियर' के रूप में।
- स्वरोजगार (Self-Employment): आप अपनी खुद की रिपेयरिंग शॉप खोल सकते हैं। बिहार जैसे राज्य में, जहाँ शहरीकरण बढ़ रहा है, एक कुशल मैकेनिक महीने के ₹20,000 से ₹40,000 आसानी से कमा सकता है।
- अनुबंध आधारित कार्य: बड़े अपार्टमेंट्स, मॉल्स और सरकारी दफ्तरों में इलेक्ट्रिशियन के रूप में।

4. वित्तीय सहायता:

- मुद्रा लोन (PMMY): यदि आप कोर्स के बाद अपनी दुकान खोलना चाहते हैं, तो भारत सरकार के 'मुद्रा योजना' के तहत आपको बिना गारंटी के ₹50,000 से ₹10 लाख तक का ऋण मिल सकता है।
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY): इस योजना के तहत प्रशिक्षण लेने पर प्रमाण पत्र के साथ-साथ कुछ आर्थिक प्रोत्साहन राशि भी सीधे बैंक खाते में दी जाती है।
- वेबसाइट: mudra.org.in

मेरी सलाह: हुनर कभी बेकार नहीं जाता। यदि आप पढ़ाई के साथ-साथ आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहते हैं, तो इस तकनीकी कौशल को जरूर सीखें।

कल के पत्र (संख्या 44) में हम इंटरमीडिएट के बाद 'योग और प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान' जैसे स्वास्थ्य और कल्याण (Wellness) से जुड़े आधुनिक कैरियर पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक

....

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 44

"प्राकृतिक उपचार में भविष्य – इण्टर के बाद योग और प्राकृतिक चिकित्सा (BNYS) में कैरियर"

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग बीमारियों से बचने के लिए दवाओं के बजाय प्राकृतिक जीवनशैली और योग की ओर रुख कर रहे हैं। भारत सरकार का 'आयुष मंत्रालय' (AYUSH) भी इस क्षेत्र को निरंतर बढ़ावा दे रहा है। यदि आपने इंटरमीडिएट (विज्ञान) से परीक्षा दी है और आप डॉक्टर की तरह मरीजों का उपचार करना चाहते हैं, लेकिन पारंपरिक एलोपैथी से अलग हटकर, तो BNYS आपके लिए एक शानदार विकल्प है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

- कोर्स का नाम: BNYS (Bachelor of Naturopathy and Yogic Sciences)। यह एक स्नातक डिग्री कोर्स है।
- अवधि: 5.5 वर्ष (4.5 वर्ष की पढ़ाई + 1 वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप)।
- अर्हता: इंटरमीडिएट विज्ञान (Physics, Chemistry, Biology) के साथ कम से कम 50% अंक।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार और अन्य राज्यों में इस कोर्स में नामांकन मुख्य रूप से NEET (National Eligibility cum Entrance Test) के अंकों के आधार पर होता है।

- प्रमुख संस्थान: राजकीय अयोध्या शिवकुमारी आयुर्वेद कॉलेज (बेगूसराय) और बिहार के अन्य आयुष कॉलेज। इसके अलावा 'मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान' (नई दिल्ली) इस क्षेत्र का शीर्ष संस्थान है।
- नामांकन: BCECE (बिहार) या NEET की काउंसलिंग के माध्यम से।
- वेबसाइट: bceceboard.bihar.gov.in और main.ayush.gov.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप अपने नाम के आगे 'डॉक्टर' लिख सकते हैं और निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं:

- सरकारी सेवा: सरकारी अस्पतालों में 'प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी' (Naturopathy Officer) के रूप में।
- निजी क्षेत्र: बड़े वेलनेस सेंटर, जिम, और 'नेचुरोपैथी रिजॉर्ट्स' में विशेषज्ञ के रूप में।
- स्वरोजगार: अपना स्वयं का 'योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र' शुरू कर सकते हैं। बिहार जैसे राज्य में पर्यटन स्थलों (जैसे राजगीर या बोधगया) में इसकी बहुत मांग है।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: चूंकि यह एक उच्च व्यावसायिक डिग्री कोर्स है, अतः इसके लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ₹4 लाख तक की सहायता आसानी से उपलब्ध है।
- मुख्यमंत्री मेधावृत्ति योजना: मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा हेतु राज्य सरकार द्वारा विशेष छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाती है।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: योग और प्राकृतिक चिकित्सा केवल एक कैरियर नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यदि आप लोगों को स्वस्थ रखने में रुचि रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपको वैश्विक स्तर पर पहचान दिला सकता है।

कल के पत्र (संख्या 35) में हम मैट्रिक के बाद 'मरीन इंजीनियरिंग (GP Rating)' के माध्यम से मर्चेंट नेवी में प्रवेश की रोमांचक राह पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक

....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 45

"समुद्र की लहरों पर कैरियर – मैट्रिक के बाद मर्चेंट नेवी (GP Rating) में प्रवेश"

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

क्या आप दुनिया घूमने का शौक रखते हैं? क्या आप एक ऐसी नौकरी चाहते हैं जहाँ आपको मोटी सैलरी के साथ-साथ कई महीनों की छुट्टियां भी मिलें? यदि आपने मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है, तो मर्चेंट नेवी का GP Rating (General Purpose Rating) कोर्स आपके लिए एक रोमांचक और आर्थिक रूप से समृद्ध भविष्य का द्वार खोल सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

GP Rating एक 6 महीने का आवासीय (Residential) कोर्स है। इसमें आपको जहाज के डेक (Deck) और इंजन (Engine) दोनों विभागों के काम सिखाए जाते हैं।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण। गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषयों के साथ कम से कम 40% अंक होना अनिवार्य है।
- आयु: 17.5 वर्ष से 25 वर्ष के बीच।
- शारीरिक मानक: आंखों की रोशनी 6/6 होनी चाहिए और किसी भी प्रकार का कलर ब्लाइंडनेस नहीं होना चाहिए।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए केवल D.G. Shipping (भारत सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों से ही कोर्स करना चाहिए।

- प्रक्रिया: अधिकांश संस्थान अपनी लिखित परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा (Physical Test) आयोजित करते हैं।
- प्रमुख संस्थान: समुद्री प्रशिक्षण संस्थान (T.S. Rahaman, मुम्बई), NUSI मैरीटाइम एकेडमी (गोवा) और समुद्री इंजीनियरिंग के अन्य मान्यता प्राप्त केंद्र। बिहार के छात्र कोलकाता या मुम्बई स्थित केंद्रों को प्राथमिकता देते हैं।
- वेबसाइट: dgshipping.gov.in (यहाँ मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची देख सकते हैं)।

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

कोर्स पूरा करने के बाद आपको CDC (Continuous Discharge Certificate) मिलता है, जो जहाज पर काम करने का सरकारी पास है।

- नौकरी: आप जहाजों पर 'ट्रेनी सीमैन' के रूप में शुरुआत करते हैं।
- वेतन: शुरुआत में ₹25,000 से ₹40,000 प्रति माह (जहाज पर रहने और खाने का खर्च कंपनी उठाती है)। अनुभव और प्रमोशन के साथ यह वेतन ₹1 लाख से ₹3 लाख तक पहुँच सकता है।
- क्षेत्र: कार्गो शिप, ऑयल टैंकर और क्रूज शिप।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: चूंकि यह एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स है और भारत सरकार के महानिदेशालय (जहाजरानी) द्वारा प्रमाणित है, इसलिए छात्र बिहार सरकार की क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ₹4 लाख तक के ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- बैंक ऋण: कई प्रमुख बैंक मर्चेंट नेवी कोर्सेज के लिए विशेष शिक्षा ऋण (Education Loan) भी प्रदान करते हैं।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: मर्चेंट नेवी का जीवन जितना आकर्षक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इसमें आपको महीनों तक अपने परिवार से दूर समुद्र में रहना पड़ता है। यदि आप शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत हैं, तो यह क्षेत्र आपको बहुत कम समय में एक सफल व्यक्ति बना सकता है।

कल के पत्र (संख्या 36) में हम इंटरमीडिएट के बाद 'एनीमेशन और मल्टीमीडिया (VFX)' जैसे रचनात्मक और हाई-टेक कैरियर पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,
आपका मार्गदर्शक

...........✍

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 46

रचनात्मकता और तकनीक का संगम – इण्टर के बाद एनीमेशन, VFX और मल्टीमीडिया में कैरियर

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

क्या आपको 'बाहुबली' जैसी फिल्मों के भव्य दृश्य या 'छोटा भीम' जैसे कार्टून आकर्षित करते हैं? आज फिल्मों, विज्ञापनों, गेमिंग और सोशल मीडिया के दौर में एनीमेशन (Animation) और VFX (Visual Effects) विशेषज्ञों की मांग दुनिया भर में बढ़ रही है। यदि आपने इंटरमीडिएट की परीक्षा किसी भी संकाय (कला/विज्ञान/वाणिज्य) से दी है और आपके पास कल्पना करने की शक्ति है, तो यह चमक-धमक वाली दुनिया आपका स्वागत करने के लिए तैयार है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

- **कोर्स के प्रकार:** आप इसमें डिग्री (B.Sc in Animation), डिप्लोमा या शॉर्ट-टर्म सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसमें 2D/3D एनीमेशन, ग्राफिक डिजाइनिंग, वीडियो एडिटिंग और डिजिटल आर्ट सिखाया जाता है।
- **अर्हता:** इंटरमीडिएट (12वीं) उत्तीर्ण। किसी भी विषय के छात्र इसमें जा सकते हैं, बस आपकी ड्राइंग या कंप्यूटर में रुचि होनी चाहिए।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार और भारत के प्रमुख शहरों में इसके बेहतरीन प्रशिक्षण केंद्र मौजूद हैं।

- **प्रमुख संस्थान:** मैक (MAAC), एरीना एनीमेशन (Arena), और फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (FTII)। बिहार में पटना और मुजफ्फरपुर जैसे शहरों में इसके कई प्रतिष्ठित केंद्र उपलब्ध हैं।
- **नामांकन:** अधिकांश निजी संस्थानों में सीधे प्रवेश मिलता है, जबकि सरकारी संस्थानों (जैसे NID या FTII) के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होती है।
- **वेबसाइट:** maacindia.com, arena-multimedia.com

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस क्षेत्र में काम की कोई कमी नहीं है। आप निम्नलिखित पदों पर कार्य कर सकते हैं:

- **कैरियर विकल्प:** एनीमेशन फिल्म मेकर, गेम डिजाइनर, विजुअल इफेक्ट्स (VFX) आर्टिस्ट, ग्राफिक डिजाइनर और वीडियो एडिटर।
- **रोजगार क्षेत्र:** फिल्म प्रोडक्शन हाउस, विज्ञापन एजेंसियां, न्यूज़ चैनल, ई-लर्निंग कंपनियां और आईटी फर्में।
- **वेतन:** शुरुआती वेतन ₹25,000 से ₹40,000 प्रति माह हो सकता है। जैसे-जैसे आपकी पोर्टफोलियो और रचनात्मकता बढ़ती है, लाखों में सैलरी मिलना सामान्य बात है। आप घर बैठे 'फ्रीलांसिंग' के जरिए विदेशों के प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर सकते हैं।

4. वित्तीय सहायता:

- **बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड:** चूंकि यह एक व्यावसायिक (Vocational) कोर्स है, यदि आप किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से डिग्री/डिप्लोमा करते हैं, तो बिहार सरकार आपको ₹4 लाख तक का ऋण प्रदान करती है।
- **कौशल विकास योजना:** बिहार कौशल विकास मिशन के तहत भी डिजिटल डिजाइनिंग के बुनियादी कोर्स कराए जाते हैं।
- **वेबसाइट:** 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: यह क्षेत्र केवल सॉफ्टवेयर सीखने का नहीं, बल्कि आपकी कल्पना को पर्दे पर उतारने का है। यदि आप लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं, तो इसमें अपार संभावनाएं हैं।

कल के पत्र (संख्या 47) में हम मैट्रिक के बाद 'बागवानी (हॉर्टिकल्चर) में डिप्लोमा' के माध्यम से कृषि क्षेत्र में आधुनिक कैरियर की चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,
आपका मार्गदर्शक

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 47.

आधुनिक कृषि से समृद्धि – मैट्रिक केबाद 'बागवानी (हॉर्टिकल्चर)' में डिप्लोमा

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है और यहाँ की मिट्टी 'सोना' उगलती है। लेकिन अब समय पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर वैज्ञानिक और व्यावसायिक खेती अपनाने का है। यदि आपने मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है, तो 'बागवानी (Horticulture)' में डिप्लोमा आपके लिए एक बेहतरीन अवसर है। इसमें फलों, फूलों, औषधीय पौधों और सब्जियों को उगाने की आधुनिक तकनीक सिखाई जाती है, जिसकी मांग बाज़ारों में बहुत अधिक है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

यह कोर्स पौधों के प्रजनन, नर्सरी प्रबंधन, ग्रीनहाउस तकनीक और आधुनिक सिंचाई पद्धतियों पर केंद्रित है।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण।
- अवधि: 1 वर्ष से 2 वर्ष (संस्थान के आधार पर)।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में कृषि और बागवानी की पढ़ाई के लिए देश के बेहतरीन संस्थान मौजूद हैं।

- प्रमुख संस्थान: बिहार कृषि विश्वविद्यालय (BAU), सबौर (भागलपुर) और इसके अंतर्गत आने वाले विभिन्न कृषि महाविद्यालय। इसके अलावा, नालंदा स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल्स' (चंडी) में भी विशेष प्रशिक्षण दिए जाते हैं।
- नामांकन: बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (BCECE) या विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशिष्ट डिप्लोमा प्रवेश परीक्षा के माध्यम से।
- वेबसाइट: bausabour.ac.in और bceceboard.bihar.gov.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस कोर्स को करने के बाद आप न केवल नौकरी पा सकते हैं, बल्कि दूसरों को रोजगार दे भी सकते हैं:

- सरकारी सेवा: प्रखंड उद्यान पदाधिकारी (BHO) के सहायक, कृषि सलाहकार या सरकारी नर्सरी में 'उद्यान पर्यवेक्षक' के रूप में।
- निजी क्षेत्र: खाद और बीज कंपनियों, लैंडस्केपिंग कंपनियों (बड़े शहरों और मॉल्स में सजावट), और फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स में।
- स्वरोजगार: अपनी स्वयं की हाई-टेक नर्सरी, मशरूम उत्पादन केंद्र या औषधीय पौधों की खेती शुरू कर सकते हैं। बिहार सरकार इसके लिए भारी सब्सिडी भी प्रदान करती है।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: यदि आप किसी मान्यता प्राप्त कृषि विश्वविद्यालय या कॉलेज से डिप्लोमा करते हैं, तो बिहार सरकार आपको ₹4 लाख तक का शिक्षा ऋण प्रदान करती है।
- उद्यान विभाग की योजनाएं: बिहार सरकार का उद्यान निदेशालय (Directorate of Horticulture) नए उद्यानों और नर्सरी के लिए 50% से 90% तक की सब्सिडी देता है।
- वेबसाइट: horticulture.bihar.gov.in और 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: बिहार की अर्थव्यवस्था कृषि पर टिकी है। यदि आप अपनी मिट्टी से जुड़कर तकनीक के साथ काम करना चाहते हैं, तो बागवानी विशेषज्ञ के रूप में आप बहुत सफल हो सकते हैं।

...........✍

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या -48.

आधुनिक कृषि से समृद्धि – मैट्रिक केबाद 'बागवानी (हॉर्टिकल्चर)' में डिप्लोमा

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

अक्सर लोग सोचते हैं कि पुस्तकालय (Library) का अर्थ केवल किताबों की रखवाली करना है, लेकिन आज के डिजिटल युग में यह एक उच्च तकनीकी क्षेत्र बन चुका है। अब पुस्तकालय केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ई-बुक्स, डिजिटल डेटाबेस और सूचना केंद्रों में बदल चुके हैं। यदि आपने इंटरमीडिएट की परीक्षा दी है और आप एक व्यवस्थित, बौद्धिक और गरिमापूर्ण कैरियर की तलाश में हैं, तो 'लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस' आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

कोर्स का नाम: स्नातक स्तर पर इसे B.Lib.I.Sc. (Bachelor of Library and Information Science) कहा जाता है।

अवधि: आमतौर पर यह 1 वर्षीय स्नातक डिग्री कोर्स है (जो किसी भी विषय में स्नातक के बाद किया जाता है), लेकिन कई संस्थानों में इंटरमीडिएट के बाद डिप्लोमा (D.Lib) या सर्टिफिकेट कोर्सेज (C.Lib) भी उपलब्ध हैं।

अर्हता: इंटरमीडिएट (12वीं) किसी भी संकाय (कला/विज्ञान/वाणिज्य) से कम से कम 45-50% अंकों के साथ।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में पुस्तकालय विज्ञान की पढ़ाई के लिए कई प्रतिष्ठित केंद्र हैं:

प्रमुख संस्थान: पटना विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (दरभंगा), और नालंदा खुला विश्वविद्यालय (NOU)। इसके अलावा इग्नू (IGNOU) से भी यह कोर्स पत्राचार के माध्यम से किया जा सकता है।

नामांकन: अधिकांश विश्वविद्यालयों में नामांकन मेरिट (अंकों के आधार पर) या प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

वेबसाइट: nou.ac.in और ignou.ac.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

पुस्तकालय विज्ञान के पेशेवरों के लिए सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में सम्मानजनक अवसर हैं:

सरकारी सेवा: स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, और सरकारी विभागों के पुस्तकालयों में 'लाइब्रेरियन' या 'असिस्टेंट लाइब्रेरियन' के रूप में। बिहार में बड़े पैमाने पर स्कूलों में पुस्तकालय अध्यक्षों की बहाली की प्रक्रिया भी चलती रहती है।

अन्य क्षेत्र: राष्ट्रीय संग्रहालयों, समाचार पत्र संस्थानों, शोध केंद्रों (जैसे ISRO, DRDO) और कॉर्पोरेट ऑफिसों में 'डॉक्यूमेंटेशन ऑफिसर' या 'सूचना विशेषज्ञ' के रूप में।

वेतन: सरकारी क्षेत्र में सातवें वेतनमान के अनुसार आकर्षक सैलरी मिलती है। निजी क्षेत्र में भी अनुभव के साथ वेतन बढ़ता है।

4. वित्तीय सहायता:

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: यदि आप किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से लाइब्रेरी साइंस में डिग्री या डिप्लोमा करते हैं, तो आप बिहार सरकार की इस योजना के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

छात्रवृत्ति: अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों के लिए राज्य सरकार के पोर्टल पर विशेष छात्रवृत्ति के प्रावधान हैं।

वेबसाइट: pmsonline.bih.nic.in

मेरी सलाह: अगर आपको पढ़ने का शौक है और आप ज्ञान को व्यवस्थित करने की कला सीखना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपको जीवन भर सीखने और समाज को शिक्षित करने का अवसर प्रदान करेगा।

कल के पत्र (संख्या 49) में हम मैट्रिक के बाद 'फूड प्रोसेसिंग और प्रिजर्वेशन' के माध्यम से खाद्य उद्योग में रोजगार के अवसरों की चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,
आपका मार्गदर्शक

...........✍

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या -49.

खेत से थाली तक का व्यवसाय – मैट्रिक के बाद 'फूड प्रोसेसिंग और प्रिजर्वेशन' में कैरियर

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

बिहार अपनी लीची, मखाना, आम और केले के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इन फलों को खराब होने से कैसे बचाया जाए या इनसे जैम, जूस और अन्य उत्पाद बनाकर कैसे बेचा जाए? इसी तकनीक को 'फूड प्रोसेसिंग और प्रिजर्वेशन' कहते हैं। यदि आपने मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है, तो यह क्षेत्र आपको न केवल रोजगार देगा, बल्कि आपको एक सफल उद्यमी (Entrepreneur) भी बना सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

इस कोर्स में खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की विधियाँ, पैकेजिंग, गुणवत्ता जाँच और डिब्बाबंद उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाई जाती है।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण।
- अवधि: 6 माह से 1 वर्ष (सर्टिफिकेट या डिप्लोमा)।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए कई विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं।

- प्रमुख संस्थान: राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता और प्रबंधन संस्थान (NIFTEM), और बिहार कृषि विश्वविद्यालय (BAU), सबौर के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण केंद्र। इसके अलावा, बिहार के कई ITI में भी 'फूड एंड वेवरेज' से संबंधित कोर्स उपलब्ध हैं।
- नामांकन: सीधे प्रवेश या कौशल विकास मिशन के माध्यम से।
- वेबसाइट: niftem.ac.in और industry.bihar.gov.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

खाद्य प्रसंस्करण भारत के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है:

- निजी क्षेत्र: ब्रिटानिया, नेस्ले, हल्दीराम जैसी बड़ी कंपनियों के मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में 'क्वालिटी कंट्रोलर' या 'प्रोडक्शन सुपरवाइजर' के रूप में।
- सरकारी योजनाएं: बिहार सरकार की 'पीएम एफएमई' (PMFME) योजना के तहत छोटे स्तर पर अपना उद्योग लगाने के लिए भारी सहायता मिलती है।
- स्वरोजगार: आप मखाना प्रोसेसिंग, लीची जूस प्लांट या आचार-पापड़ का अपना ब्रांड शुरू कर सकते हैं। बिहार का मखाना अब वैश्विक बाजार तक पहुँच चुका है, जिसमें कुशल युवाओं की बहुत मांग है।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए इस योजना का लाभ लिया जा सकता है।
- मुख्यमंत्री उद्यमी योजना: यदि आप इस क्षेत्र में अपना स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, तो बिहार सरकार ₹10 लाख तक की सहायता (जिसमें 50% अनुदान यानी सब्सिडी है) प्रदान करती है।
- वेबसाइट: udyami.bihar.gov.in

मेरी सलाह: बिहार में कच्चे माल (अनाज और फल) की कोई कमी नहीं है, कमी है तो बस उन्हें प्रोसेस करने वाले हुनरमंद युवाओं की। यदि आप अपनी मेहनत से स्थानीय उत्पादों को ब्रांड बनाना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए सर्वोत्तम है।

कल के पत्र (संख्या 50) में हम इंटरमीडिएट के बाद 'एयर होस्टेस और केबिन क्रू ट्रेनिंग' के माध्यम से आसमान की ऊंचाइयों में कैरियर की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक

...........✍

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या -50.

उड़ान सपनों की – इण्टर के बाद 'एयर होस्टेस और केबिन क्रू' में रोमांचक कैरियर

'संपादकीय'

आसमान में उड़ने का सपना तो हर कोई देखता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप इसे अपना पेशा भी बना सकते हैं? विमानन (Aviation) के क्षेत्र में एयर होस्टेस या केबिन क्रू का पद न केवल ग्लैमरस है, बल्कि यह जिम्मेदारी, अनुशासन और दुनिया घूमने के अवसर से भरा हुआ है। यदि आपने इंटरमीडिएट की परीक्षा किसी भी संकाय से दी है और आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हैं, तो यह क्षेत्र आपको नई ऊँचाइयों पर ले जा सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

केबिन क्रू ट्रेनिंग में विमान सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, यात्री सेवा और व्यक्तित्व विकास (Personality Development) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

- अर्हता: इंटरमीडिएट (12वीं) उत्तीर्ण। अंग्रेजी और हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ अनिवार्य है।
- शारीरिक मानक: लंबाई (लड़कियों के लिए न्यूनतम 155 सेमी, लड़कों के लिए 170 सेमी), शारीरिक रूप से फिट होना और चेहरे पर कोई स्थाई दाग या टैटू न होना।
- आयु: सामान्यत: 18 से 26 वर्ष के बीच।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए निजी एयरलाइंस सीधे 'वॉक-इन इंटरव्यू' आयोजित करती हैं या आप प्रतिष्ठित संस्थानों से ट्रेनिंग ले सकते हैं।

- प्रमुख संस्थान: फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिंग, आईजीआईए (IGIA), और एयर इंडिया की अपनी ट्रेनिंग एकेडमी। बिहार के छात्र कोलकाता या दिल्ली स्थित केंद्रों को अधिक प्राथमिकता देते हैं।
- प्रक्रिया: इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन और साइकोमेट्रिक टेस्ट के आधार पर चयन।
- वेबसाइट: civilaviation.gov.in (नागर विमानन मंत्रालय) और प्रमुख एयरलाइंस (Indigo, Air India, Vistara) के 'Careers' पेज।

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

भारत में नए एयरपोर्ट्स (जैसे दरभंगा और प्रस्तावित पूर्णिया एयरपोर्ट) के बनने से विमानन क्षेत्र में नौकरियों की बाढ़ आई है।

- कैरियर: डोमेस्टिक और इंटरनेशनल एयरलाइंस में केबिन क्रू, ग्राउंड स्टाफ या कस्टमर सर्विस एजेंट के रूप में।
- वेतन: घरेलू एयरलाइंस में शुरुआती वेतन ₹35,000 से ₹50,000 और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में ₹1 लाख से ₹2 लाख प्रति माह तक हो सकता है।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: यदि आप किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या सरकार द्वारा संबद्ध संस्थान से 'डिप्लोमा इन एविएशन' या 'हॉस्पिटैलिटी' का कोर्स करते हैं, तो बिहार सरकार ₹4 लाख तक का ऋण प्रदान करती है।
- बैंक शिक्षा ऋण: चूंकि यह एक व्यावसायिक कोर्स है, इसलिए कई निजी और सरकारी बैंक इस क्षेत्र के लिए विशेष ऋण योजनाएं चलाते हैं।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपकी मुस्कान और विपरीत परिस्थितियों में शांत रहने की क्षमता सबसे बड़ा हुनर है। यदि आप नई जगहों पर जाना और लोगों की मदद करना पसंद करते हैं, तो आज ही अपनी तैयारी शुरू करें।

कल के पत्र संख्या 51 (अंतिम अंक) में हम मैट्रिक के बाद 'सुरक्षा और विजिलेंस मैनेजमेंट' (Security and Vigilance) में रोजगार के अवसरों की चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,
आपका मार्गदर्शक

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या -51.

उड़ान सपनों की – इण्टर के बाद 'एयर होस्टेस और केबिन क्रू' में रोमांचक कैरियर

'संपादकीय'

(समापन अंक)

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

आज के दौर में निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में सुरक्षा (Security) का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट ऑफिस, बैंक, ऐतिहासिक स्मारक और औद्योगिक इकाइयों को न केवल शारीरिक सुरक्षा, बल्कि सतर्क 'विजिलेंस' (सतर्कता) की भी आवश्यकता होती है। यदि आपने मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है और आप शारीरिक रूप से फिट हैं, तो 'सुरक्षा और विजिलेंस मैनेजमेंट' आपके लिए रोजगार का एक सशक्त माध्यम बन सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता: यह एक पेशेवर प्रशिक्षण कोर्स है जिसमें भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन प्रतिक्रिया, प्राथमिक चिकित्सा, फायर सेफ्टी और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों (जैसे CCTV, मेटल डिटेक्टर) का संचालन सिखाया जाता है।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण।
- अवधि: 3 माह से 6 माह (सर्टिफिकेट/डिप्लोमा)।
- शारीरिक मापदंड: अच्छी लंबाई और स्वस्थ शरीर।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान: इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए सरकारी और निजी दोनों विकल्प उपलब्ध हैं:

- प्रमुख संस्थान: राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU) के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्र, और बिहार सरकार के सहयोग से चलने वाले 'कौशल विकास केंद्र' (Skill Development Centers)।
- निजी एजेंसियां: SIS (Security and Intelligence Services) जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियां भी मैट्रिक पास युवाओं को प्रशिक्षित कर सीधे नौकरी प्रदान करती हैं।
- वेबसाइट: rru.ac.in और psara.gov.in (Private Security Agency Regulation Act Portal)।

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना: इस कोर्स के बाद आप केवल 'गार्ड' नहीं, बल्कि एक 'सुरक्षा पेशेवर' के रूप में अपनी पहचान बनाते हैं:

- कैरियर विकल्प: सुरक्षा पर्यवेक्षक (Security Supervisor), विजिलेंस ऑफिसर, पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (PSO) और एयरपोर्ट सिक्योरिटी स्टाफ।
- क्षेत्र: बैंक, मेट्रो, शॉपिंग मॉल्स, होटल और वीआईपी सुरक्षा।
- वेतन: शुरुआती वेतन ₹15,000 से ₹25,000 प्रति माह हो सकता है, जो अनुभव और स्थान के साथ बढ़ता जाता है।

4. वित्तीय सहायता: * बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: यदि आप किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय (जैसे RRU) से सुरक्षा प्रबंधन का डिप्लोमा करते हैं, तो बिहार सरकार ₹4 लाख तक का ऋण प्रदान करती है।

- मुख्यमंत्री उद्यमी योजना: यदि आप स्वयं की एक छोटी सिक्योरिटी एजेंसी शुरू करना चाहते हैं, तो आप सूक्ष्म उद्योगों के तहत सरकारी अनुदान और ऋण प्राप्त कर सकते हैं।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: अनुशासन और साहस इस क्षेत्र की पहली शर्त है। यदि आप सुरक्षा बलों (पुलिस/सेना) में जाने की इच्छा रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए एक मजबूत आधार और तत्काल रोजगार का साधन बन सकता है।

....

शुभकामनाओं सहित, आपका मार्गदर्शक

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2